Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 245
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 11 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 राज्य नवप्रवर्तन समिति के सुधारों को तत्काल ..
4 आर्कटिक का कीमती खजाना कौन करेगा ...
7 महिला वनडे विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड टीम...

संक्षिप्त न्यूज

दिल्ली सरकार इहबास को प्राथमिकता के आधार पर पुनर्जीवित करेगी : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को घोषणा की कि उनकी सरकार पूर्वी दिल्ली स्थित 'इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड अलाइड साइंसेज' (इहबास) को प्राथमिकता के आधार पर पुनर्जीवित करेगी।

मुख्यमंत्री ने संस्थान का औचक निरीक्षण करने के बाद आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने इस महत्वपूर्ण चिकित्सा संस्थान की उपेक्षा की। उन्होंने बताया कि यह अस्पताल प्रतिदिन 2,500 से 3,000 ओपीडी मरीजों को देखता है, लेकिन यहां मूलभूत जांच सुविधाओं की कमी है। उन्होंने कहा कि सरकार संस्थान में महत्वपूर्ण डायग्नोस्टिक अवसंरचना की व्यवस्था करेगी।

गुप्ता ने कहा, ''यह अस्पताल न सिर्फ दिल्ली, बल्कि एनसीआर के मरीजों को भी न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के लिए इलाज उपलब्ध कराता है। मुझे इहबास को लेकर कई शिकायतें मिली थीं। यहां 2012 से एमआरआई मशीन नहीं है और सीटी स्कैन मशीन भी उपलब्ध नहीं है। एक्स-रे की सुविधाएं भी सीमित हैं।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस संस्थान के लिए नए भवन का निर्माण करेगी और चालू वित्त वर्ष में एमआरआई, अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन जैसी जांच सुविधाओं का इंतजाम किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सबसे पहले अस्पताल के लिए एक नई ओपीडी का निर्माण किया जाएगा, जिसके बाद मुख्य इमारत का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विषम परिस्थितियों के बावजूद मरीजों का इलाज करने के लिए चिकित्सकीय टीम की सराहना भी की।

बिहार को मोदी कैबिनेट की 7500 करोड़ की सौगात

वैष्णव बोले- विकास को मिली गति

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बिहार में 7,500 करोड़ की एक रेलवे और एक राजमार्ग परियोजना को मंज़ूरी दे दी है। वैष्णव ने कहा कि देश में बुनियादी ढाँचे के निर्माण की गति बेहतर हुई है। बुधवार को कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान वैष्णव ने कहा कि आज की कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो बड़ी बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को मंज़ूरी दी है। वैष्णव ने आगे कहा कि बिहार में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के 4-लेन ग्रीनफ़ील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड मोकामा-मुंगेर सेक्शन के निर्माण को कैबिनेट ने मंज़ूरी दे दी है।

कैबिनेट ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन सेक्शन (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंज़ूरी दी है, जिसकी कुल लागत 3,169 करोड़ रुपये है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इसमें 3,169 करोड़ रुपये का निवेश होगा। यह बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाली एक बेहद

महत्वपूर्ण परियोजना भी है। अगर हम इस परियोजना को मानचित्र पर देखें, तो यह बिहार से शुरू होकर रामपुरहाट में झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ती है। अभी चलने वाली ज़्यादातर ट्रेनें भागलपुर से मालदा टाउन और रामपुरहाट होते हुए हावड़ा जाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस दोहरीकरण के बाद, कई ट्रेनें भागलपुर से दुमका और वहाँ से सीधे रामपुरहाट जा सकेंगी। कई पैसेंजर ट्रेनें, मेल एक्सप्रेस ट्रेनें इससे होकर गुज़र सकेंगी और यह देवघर तीर्थस्थल को भी जोड़ती है। एक तरह से, दक्षिण बिहार को कोलकाता से जिस कनेक्टिविटी की ज़रूरत है, वह इस परियोजना से पूरी हो जाती है। वैष्णव ने कहा, 'दोनों परियोजनाएँ तीन वर्षों में पूरी हो जाएँगी। राजमार्गों और रेलवे निर्माण, दोनों की गति बेहतर हुई है।'

मोकामा-मुंगेर खंड मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर, मुंगेर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय शहरों से होकर गुजरता है या उन्हें कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जो भागलपुर से जुड़ता है। 82.4 किलोमीटर लंबी इस परियोजना का निर्माण हाइब्रिड एन्युइटी मोड के तहत ?4,447.38 करोड़ की पूंजीगत लागत से किया जाएगा। विज्ञप्ति में आगे कहा गया है, 'मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव से परिचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी, जिससे भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढाँचागत विकास संभव होगा।'

विज्ञप्ति में कहा गया है, 'इन परियोजनाओं की योजना पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई है, जिसका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। ये परियोजनाएँ लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।'

ब्रह्मोस से लैस आईएनएस तमाल युद्धपोत, पश्चिमी सीमा की करेगा सुरक्षा

नई दिल्ली। रूस के कलिनिनग्राद में 1 जुलाई को नौसेना में शामिल होने और कई समुद्रों और बंदरगाहों से होकर गुज़रने के बाद, भारत का आखिरी आयातित युद्धपोत, आईएनएस तमाल, कर्नाटक के कारवार स्थित अपने अड्डे पर पहुँचने वाला है। एक स्टील्थ युद्धपोत, आईएनएस तमाल का आगमन पर भव्य स्वागत किया जाएगा। यह रूस के सेंट पीटर्सबर्ग से रवाना हुआ और फिर अटलांटिक महासागर और भूमध्य सागर से होते हुए भारत पहुँचने के लिए एक लंबा रास्ता तय किया। 6 अगस्त को यह जहाज़ मोरक्को पहुँचा, जहाँ इसने रॉयल मोरक्को नौसेना के साथ सहयोगात्मक गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें मोहम्मद VI के साथ एक मार्ग अभ्यास भी शामिल था। इसका अगला पड़ाव इटली का नेपल्स था, जहाँ चालक दल ने भारत का 79वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया।

तमाल इंडियन नेवी का आखिरी इंपोर्टेड वॉरशिप है। आईएनएस तमाल आधुनिक वॉरशिप है जो समुद्र, हवा और पानी के भीतर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध इन चारों क्षेत्रों में ऑपरेशन कर सकता है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने किया आह्वान

'बंगाली में और ज्यादा बोलो, डरने की जरूरत नहीं...

जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को जनता से आग्रह कि वे बंगाली में ज्यादा बोलें और डरें नहीं। उनका यह बयान राज्य के प्रवासी मजदूरों पर हो रहे कथित हमलों की पृष्ठभूमि में आया है। बनर्जी ने कहा, बंगाली में ज्यादा बोलो, डरो मत। हम स्पष्ट कहना चाहते हैं कि हम अपनी मातृभाषा यानी बंगाली ही बोलेंगे। लेकिन हम दूसरी भाषाओं का भी सम्मान करते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि जो प्रवासी मजदूर वापस बंगाल लौटेंगे, उन्हें सरकार की ओर से पांच हजार रुपये दिए जाएंगे और उनके बच्चों को नजदीकी स्कूल में दाखिला मिल सकेगा। जलपाईगुड़ी में एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, मैं रोज अपमान झेलती हूं, क्योंकि मैं बंगाल का विकास चाहती हूं।

नेपाल की स्थिति पर ममता बनर्जी ने कहा, नेपाल में फंसे पर्यटकों की स्थिति को मैं गंभीरता से ले रही हूं। मैं उन्हें यह कहना चाहती हूं कि जब तक हालात सामान्य न हो जाएं।

12 सितंबर को उपराष्ट्रपति का पद ग्रहण कर सकते हैं सीपी राधाकृष्णन, राष्ट्रपति मुर्मू दिलाएंगी शपथ

नई दिल्ली। देश के निर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 12 सितंबर को पद की शपथ ले सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को राधाकृष्णन को शपथ दिलाएंगी। राष्ट्रपति भवन में 12 सितंबर को एक औपचारिक समारोह में शपथ ग्रहण संपन्न होगा। 67 वर्षीय राधाकृष्णन ने मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को हराकर जीत हासिल की थी। यह चुनाव तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को अचानक दिए गए इस्तीफे के बाद कराया गया था।

उपराष्ट्रपति चुनाव में 14 सांसदों ने की क्रॉस वोटिंग

संसद भवन में मंगलवार को हुए मतदान में राधाकृष्णन को 752 वैध मतों में से प्रथम वरीयता के 452 वोट मिले थे, जबकि रेड्डी को प्रथम वरीयता के महज 300 वोट ही मिले थे। 14 सांसदों ने

क्रॉस वोटिंग की। उपराष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसद मतदाता होते हैं। देश में 17 बार उपराष्ट्रपति पद का चुनाव हुआ जिसमें सर्वपल्ली राधाकृष्णन और हामिद अंसारी दो कार्यकाल तक इस पद पर रहे।

उपराष्ट्रपति चुनाव में 98.2 फीसदी मतदान

निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी ने बताया, 781 मतदाताओं में से 98.2 फीसदी यानी 767 ने मतदान किया। इनमें 15 वोट अवैध पाए गए जिससे वैध मतों की संख्या 752 रह गई। वहीं एक डाक मत को रद्द घोषित कर दिया गया क्योंकि संबंधित सांसद ने वोट डालने से इन्कार किया है। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में कुल 788 सदस्य होते हैं। इनमें 245 राज्यसभा से और 543 लोकसभा से हैं। राज्यसभा के 12 मनोनीत सदस्य भी चुनाव में मतदान करने के पात्र होते हैं। लेकिन वर्तमान में निर्वाचक मंडल की संख्या 781 है क्योंकि राज्यसभा में छह और लोकसभा में एक सीट रिक्त है।

जीत के लिए चाहिए थे 377 वोट

भाजपा न सिर्फ विपक्षी इंडी गठबंधन में सेंध लगाने में कामयाब रही, बल्कि भाजपा-कांग्रेस से समान दूरी की नीति अपनाने वाले दलों के मतदाताओं के बड़े हिस्से को भी अपने पक्ष में करने में कामयाब रही। बीजू जनता दल, भारत राष्ट्र समिति, अकाली दल व एक निर्दलीय समेत कुल 13 सांसदों के मतदान से दूरी बरतने व एक डाकमत रद्द होने के कारण कुल मतदाताओं की संख्या 767 रह गई थी। इनमें भी 15 मत अवैध पाए गए। इसके बाद जीत के लिए जरूरी मतों की संख्या 377 रह गई थी।

पटना को सीएम नीतीश की 1433 करोड़ की सौगात, छह विकास योजनाओं का शिलान्यास

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने पटना जिला अंतर्गत 1433 करोड़ 77 लाख रुपये की लागत से कुल 06 योजनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने दीदारगंज एवं बाढ़ जाकर आयोजित कार्यक्रम स्थल से विभिन्न योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया। इसके अंतर्गत 1065 करोड़ 53 लाख रुपये की लागत से राज्य उच्च पथ संख्या 106- दीदारगंज फतुहा बख्तियारपुर-करजान पथ का 4-लेन में चौड़ीकरण, 9 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत से बाढ़ के उमानाथ मंदिर परिसर के समीप श्मशान घाट का विकास और विद्युत शवदाह गृह के निर्माण कार्य तथा 249 करोड़ 88 लाख रुपये की लागत से बख्तियारपुर-बाढ़-मोकामा पथ के 45.70 कि0मी0 अथमलगोला से मोकामा बाटा चौक तक पथ का चौड़ीकरण कार्य शामिल है। साथ ही 11 करोड़ 92 लाख रुपये की लागत से बख्तियारपुर में हिदायतपुर एवं मंझौली के बीच घोबा नदी पर पुल का निर्माण कार्य, 67 करोड़ 74 लाख रुपये की लागत से बाढ़ के उमानाथ मंदिर परिसर का सौंदर्गीकरण एवं नागरिक सुविधाओं का विकास कार्य तथा 29 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से बाढ़ वाटर ड्रेनेज का निर्माण कार्य शामिल है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि दीदारगंज से करजान तक फोरलेन पथ के चौड़ीकरण हो जाने से यातायात में सुविधा होगी। बख्तियारपुर में एलिवेटेड बाईपास तथा फतुहा में फ्लाईओवर बनने से लोगों का आवागमन और सुगम होगा। मुख्यमंत्री बख्तियारपुर के सीढ़ी घाट भी गये और सीढ़ी घाट पर कराये जा रहे विकास कार्यों की अद्यतन जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने दीदारगंज-फतुहा बख्तियारपुर-करजान पथ के बाईपास का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर के श्री राधे कृष्ण मंदिर एवं बाढ़ के उमानाथ मंदिर में पूजा अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, बिहार विधानसभा अध्यक्ष श्री नंदकिशोर यादव, विधायक श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ज्ञानू अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, पथ निर्माण विभाग के सचिव श्री संदीप कुमार आर0 पुदकलकुट्टी, पटना प्रमण्डल के आयुक्त डॉ0 चन्द्रशेखर सिंह, पटना नगर निगम के आयुक्त श्री अनिमेष परासर, बिहार राज्य पथ विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री शीर्षत कपिल अशोक, पटना के जिलाधिकारी डॉ0 त्यागराजन एस0एम0, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री कार्तिकेय के0 शर्मा सहित वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

राजस्व महा-अभियानः अब हलकों में लगेंगे अतिरिक्त शिविर

नई दिल्ली। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने चल रहे राजस्व महा-अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अहम निर्णय लिया है। विभाग ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि अब किसी भी हलके (पंचायत) में आवश्यकता पड़ने पर दो से अधिक अतिरिक्त शिविर आयोजित किए जा सकते हैं। विभाग के सचिव जय सिंह ने सभी जिला समाहर्ताओं को पत्र लिखकर कहा है कि अभियान की प्रगति समीक्षा में यह अनुभव हुआ है कि कई हलकों में मात्र दो शिविरों से सभी आवेदकों की समस्याओं का समाधान संभव नहीं हो पा रहा है। ऐसे में स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए अंचल अधिकारी अपने स्तर से अतिरिक्त शिविर आयोजित कर सकेंगे। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि अतिरिक्त शिविरों से अभियान की अन्य गतिविधियाँ प्रभावित न हों। सचिव ने यह भी निर्देश दिया है कि महादलित टोलों एवं बस्तियों में विशेष ध्यान दिया जाए। वहां तक प्राथमिकता देकर जमाबंदी की प्रति जरूर उपलब्ध कराएं। कई स्थानों पर बंदोबस्त की गई भूमि की जमाबंदी पंजी की प्रति महादलित परिवारों तक समय पर नहीं पहुँच पा रही है।

रिजिजू ने किया बड़ा खुलासा

उपराष्ट्रपति चुनाव में 'अंतरात्मा की आवाज़' से इंडिया ब्लॉक में सेंधमारी!

नई दिल्ली। सीपी राधाकृष्णन के भारत के उपराष्ट्रपति चुने जाने के एक दिन बाद, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार को वोट देने के लिए इंडिया ब्लॉक के सांसदों को धन्यवाद दिया, जिससे क्रॉस-वोटिंग का संकेत मिला। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव मंगलवार, 9 सितंबर को हुए। एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने गुप्त मतदान में डाले गए 767 मतों में से कुल 452 मतों के साथ जीत हासिल की।

बुधवार को एक्स से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने इंडिया ब्लॉक के सांसदों को धन्यवाद दिया, जिन्होंने कथित तौर पर क्रॉस वोटिंग की, जिससे एनडीए उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित हुई। रिजिजू ने कहा कि इंडिया गठबंधन के कुछ सांसदों का विशेष धन्यवाद जिन्होंने उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार के लिए 'अंतरात्मा की आवाज़' से वोट दिया। एनडीए और हमारे सभी मित्र सांसद एकजुट हैं। एक पर उन्होंने लिखा कि उपराष्ट्रपति का चुनाव मतपत्रों के माध्यम से किया गया है। मतदान गुप्त और अंतरात्मा के साथ हुआ। मतदान और मतगणना दोनों दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में की गई। दोनों दलों के प्रतिनिधि पूरे समय मौजूद रहे। कोई भी सांसदों का दिल और दिमाग नहीं चुरा सकता।

मंगलवार को उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले, एनडीए उम्मीदवार के लिए संख्या 427 थी, जो संसद में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की संख्या है। हालांकि, मतदान के बाद, राधाकृष्णन को कुल 452 वोट मिले, जो 14 वोटों की वृद्धि दर्शाता है। इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को कुल 300 वोट मिले। मतगणना से पहले, विपक्षी उम्मीदवार को लगभग 324 वोट मिलने की उम्मीद थी। मतगणना पूरी होने के बाद, 15 वोट अवैध पाए गए। राधाकृष्णन के पक्ष में वोटों की संख्या बढ़ने के साथ, क्रॉस वोटिंग की बात सामने आई क्योंकि एनडीए नेताओं ने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं ने उनके उम्मीदवार को वोट दिया होगा।

केंद्र की बाधाएं और भ्रामक राजनीति तमिलनाडु की प्रगति को नहीं रोक पाएगी, स्टालिन ने साधा निशाना

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इंडिया टुडे कॉन्क्लेव साउथ 2025 को एक वीडियो संदेश के ज़रिए संबोधित करते हुए कहा कि राज्य द्रविड़ मॉडल 2.0 के तहत 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। व्यक्तिगत रूप से शामिल न हो पाने की वजह बताते हुए स्टालिन ने कहा कि वह सोमवार को ही अपनी यूरोप यात्रा से लौटे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने इसमें शामिल होने और तमिलनाडु के विकास की योजनाओं पर बात करने की योजना बनाई थी।

स्टालिन ने ज़ोर देकर कहा कि तमिलनाडु भारत का औद्योगिक पहलुओं में नंबर 1 राज्य और देश का विकास इंजन है।' उन्होंने इस प्रगति का श्रेय सामाजिक न्याय, समानता, संघवाद और समावेशिता पर आधारित द्रविड़ शासन मॉडल को दिया। हमारा आदर्श वाक्य है कि तमिलनाडु के प्रत्येक नागरिक, विशेषकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, उत्पीड़ित वर्ग और महिलाओं को सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाए। समानता केवल एक शब्द नहीं रहनी चाहिए, बल्कि कर्म में भी झलकनी चाहिए।

स्थानों के नामों से जातिगत पहचान और

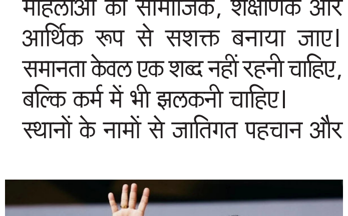

'कॉलोनी' जैसे दमनकारी शब्दों को हटाने के सरकार के फैसले का हवाला देते हुए, स्टालिन ने कहा कि ऐसे कदमों से समानता का विरोध करने वालों में गुस्सा है। उन्होंने कहा, 'जो लोग तमिलनाडु के विकास को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं, वे अफवाहें फैला रहे हैं। लेकिन उन्हें पीछे धकेलते हुए, हम अपनी यात्रा जारी रख रहे हैं।

तमिलनाडु पुलिस से विजय को सभा की मिली इजाजत, लगाई गई ये शर्तें

तिरुचिरापल्ली। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली (जिसे त्रिची भी कहा जाता है) जिले के मरक्कड़ई इलाके में एक सभा को संबोधित करने की अनुमति दे दी गई है, लेकिन शहर के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सिबिन ने 23 सख्त शर्तें लगाई हैं। टीवीके महासचिव आनंद और त्रिची जिला सचिव करिकालन ने शर्तों को स्वीकार करते हुए लिखित में वचन दिया है, जिसके बाद पुलिस उपायुक्त द्वारा आधिकारिक अनुमति पत्र जारी किया जाएगा। पुलिस द्वारा लगाई गई प्रमुख शर्तों में विजय सुबह 10:30 से 11:00 बजे के बीच केवल 30 मिनट ही बोल सकते हैं; पार्टी कार्यकर्ताओं को सुबह 9:30 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना होगा; रोड शो की अनुमति नहीं है; विजय के काफिले में उनकी कार के आगे और पीछे केवल पांच वाहन हो सकते हैं; अतिरिक्त वाहनों की अनुमति नहीं होगी; टीवीके को चिकित्सा सुविधाओं, एम्बुलेंस और अग्निशमन

सेवा वाहनों की व्यवस्था करनी होगी। इनके साथ ही, अन्य प्रमुख शर्तें हैं बच्चों, गर्भवती महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों को कार्यक्रम में नहीं लाया जाना चाहिए; सार्वजनिक यातायात बाधित नहीं होना चाहिए; शंकु के आकार के लाउडस्पीकरों पर प्रतिबंध है; समर्थक लंबे झंडे नहीं ले जा सकते; स्कूली छात्रों, हवाई अड्डे के यात्रियों, अस्पताल जाने वालों और एम्बुलेंस को बाधित न करने के लिए विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि टीवीके नेताओं के लिखित आश्वासन के बाद ही अंतिम अनुमति पत्र जारी किया जाएगा।

इससे पहले 27 अगस्त कोकन्नम पुलिस ने अभिनेता और तमिल वेट्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय और उनके बाउंसरों के खिलाफ उनके समर्थक सरथकुमार द्वारा पेरम्बलुर जिला एसपी कार्यालय में की गई शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि विजय के बाउंसरों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और टीवीके प्रमुख और उनके बाउंसरों के खिलाफ तीन धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

सीपी राधाकृष्णन का नया सफर

12 सितंबर को ले सकते हैं उपराष्ट्रपति पद की शपथ, राष्ट्रपति दिलाएंगी शपथ

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलाएँगी। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति 12 सितंबर को राष्ट्रपति भवन में एक औपचारिक समारोह में राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलाएँगी। राधाकृष्णन मंगलवार के चुनाव में 767 में से 452 वोट हासिल करने और विपक्ष के बी. सुदर्शन रेड्डी को हराने के बाद भारत के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए थे। राधाकृष्णन को महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में अपना इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपना होगा।

शपथ ग्रहण समारोह 12 सितंबर को प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और जेपी नड्डा, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के वरिष्ठ नेताओं संजय झा, राम मोहन नायडू और श्रीकांत शिंदे ने मंगलवार रात राधाकृष्णन से मुलाकात की। मामले से वाकिफ एक अन्य अधिकारी ने बताया

कि आज विपक्षी दलों के कुछ नेताओं सहित और भी नेताओं के उनसे मिलने की उम्मीद है। नतीजे घोषित होने के तुरंत बाद, राधाकृष्णन ने कहा कि वह देश के विकास के लिए काम करना चाहते हैं।

राज-उद्धव फिर मिलेः क्या महाराष्ट्र में बीजेपी के खिलाफ बन रहा नया 'ठाकरे' समीकरण?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

प्रतीकात्मक इशारों से राजनीतिक रणनीति की ओर बदलाव का संकेत देते हुए, शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने बुधवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे से उनके दादर स्थित आवास पर मुलाकात की, जिससे बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों से पहले संभावित गठबंधन की नींव रखी जा सके। बिना किसी पूर्व सूचना के, उद्धव, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत और विधान पार्षद अनिल परब सुबह राज ठाकरे के आवास शिवतीर्थ पहुँचे और उनसे तथा मनसे के वरिष्ठ नेताओं बाला नंदगांवकर और संदीप देशपांडे से लगभग ढाई घंटे तक बंद कमरे में बातचीत की।

बैठक से जुड़े नेताओं ने इसे विशुद्ध रूप से राजनीतिक बताया, जिसमें 227 सदस्यीय नगर निकाय के लिए सीटों के बंटवारे पर विस्तृत बातचीत हुई। सूत्रों के अनुसार, मनसे ने लगभग 90 से 95 सीटें मांगी हैं, हालाँकि शिवसेना

(यूबीटी) के पदाधिकारियों ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र स्तर की बातचीत के माध्यम से इस आंकड़े को तर्कसंगत बनाया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार द्वारा मराठी भाषी बहुल राज्य में हिंदी थोपे जाने के आरोपों के बीच कक्षा पहली से पांचवीं तक के छात्रों के लिए 'तीन-भाषा' फार्मूले पर अपने विवादास्पद आदेश को वापस लिए जाने के बाद, उद्धव और राज पांच जुलाई को मुंबई में अपनी 'जीत' का जश्न मनाने के लिए मंच पर एक साथ आए थे।

जुलाई के अंत में राज उद्धव ठाकरे को जन्मदिन की बधाई देने के लिए उपनगरीय बांद्रा स्थित उनके आवास मातोश्री पर आए थे। हालांकि राज ने 2005 में अविभाजित शिवसेना छोड़ दी थी और इसके लिए उद्धव को जिम्मेदार ठहराया था लेकिन 2024 के विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टियों की हार ने अब तक प्रतिद्वंद्वी समझे जाने वाले दोनों भाईयों को संबंध सुधारने के लिए प्रेरित किया है। राज्य में धन-संपन्न बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) समेत आगामी स्थानीय निकाय में चुनावों के मद्देनजर दोनों पार्टियों ने गठबंधन बनाने के पर्याप्त संकेत दिए हैं लेकिन अभी तक औपचारिक गठबंधन की घोषणा नहीं की गई है। अगर ऐसा होता है तो भाजपा उनकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी होगी।

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख और मनसे अध्यक्ष के बीच हुई हालिया बैठक के बारे में पूछे जाने पर भाजपा की मुंबई इकाई के प्रमुख और विधायक अमित साटम ने बुधवार को कहा कि नागरिकों को राजनीतिक नेताओं के बीच पारिवारिक बैठकों की तुलना में विकास की अधिक चिंता है। साटम ने संवाददाताओं से कहा, बात यह नहीं है कि कौन किससे मिल रहा है और उनके पारिवारिक रिश्ते कैसे हैं बल्कि यह है कि अटल सेतु, कोस्टल रोड, वर्ली और आसपास के इलाकों में बीडीडी चॉल का पुनर्विकास किसने करवाया और पूरे मुंबई में सीसीटीवी कैमरों का विशाल नेटवर्क किसने स्थापित किया। ये प्रमुख मुद्दे हैं और मुंबईवासी इसी आधार पर वोट देंगे।

कर्जत यार्ड संशोधन (मॉडिफिकेशन) के संबंध में कर्जत स्टेशन पर प्रारंभिक (प्रीपरेटरी) कार्य हेतु

गुरुवार और शुक्रवार को विशेष यातायात और पावर डे ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल, कर्जत यार्ड मॉडिफिकेशन कार्य के संबंध में कर्जत स्टेशन पर प्रारंभिक (प्रीपरेटरी) कार्य हेतु दिनांक 11.09.2025 (गुरुवार) और दिनांक 12.09.2025 (शुक्रवार) को विशेष यातायात और पावर डे ब्लॉक परिचालित करेगा।

यह ब्लॉक दिन के समय 11.20 बजे से 13.50 बजे तक निम्नानुसार परिचालित होगाः

ठाकुरवाड़ी केबिन (क्रॉस ओवर को छोड़कर) और कर्जत (प्लेटफ़ॉर्म को छोड़कर) के बीच मिड लाइन पर।

नागनाथ केबिन (क्रॉस ओवर को छोड़कर) और कर्जत (प्लेटफ़ॉर्म को छोड़कर) के बीच अप लाइन पर।

ब्लॉक के कारण मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों का रेगुलेशन इस प्रकार होगाः

निम्नलिखित ट्रेनों को पुणे मंडल में रेगुलेट किया जाएगा और दोपहर 13.05 बजे लोनावला में हैंड ओवर किया जाएगाः

ट्रेन संख्या 22180 चेन्नई-एलटीटी एक्सप्रेस,

ट्रेन संख्या 22919 चेन्नई-अहमदाबाद

हमसफर एक्सप्रेस,

ट्रेन संख्या 12263 पुणे-हज़रत निज़ामुद्दीन दुरंतो एक्सप्रेस,

ट्रेन संख्या 12164 चेन्नई-एलटीटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस।

ट्रेन संख्या 11014 कोयंबटूर-एलटीटी एक्सप्रेस को सुबह 11.30 बजे से दोपहर 13.00 बजे तक लोनावला में रेगुलेट किया जाएगा।

ब्लॉक अवधि के दौरान उपनगरीय ट्रेनों का रद्दीकरण

निम्नलिखित उपनगरीय ट्रेनें रद्द रहेंगीः

कर्जत-खोपोली लोकल, कर्जत से दोपहर 12.00 बजे और दोपहर 13.15 बजे प्रस्थान करने वाली लोकल।

खोपोली-कर्जत लोकल, खोपोली से सुबह 11.20 बजे और दोपहर 12.40 बजे प्रस्थान करने वाली लोकल।

ये रखरखाव मेगा ब्लॉक बुनियादी ढाँचे के रखरखाव और संरक्षा के लिए आवश्यक हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इससे होने वाली असुविधा के लिए रेलवे प्रशासन को सहयोग करें।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी तीन जोड़ी त्योहार स्पेशल ट्रेनें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दशहरा, दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल - बनारस, वडोदरा - गोरखपुर और ओखा - शकूर बस्ती के बीच विशेष किराए पर त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09083/09084 मुंबई सेंट्रल - बनारस एसी स्पेशल (साप्ताहिक) ड16 फेरे.

ट्रेन संख्या 09083 मुंबई सेंट्रल-बनारस स्पेशल प्रत्येक बुधवार को मुंबई सेंट्रल से 23:10 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 10:30 बजे बनारस पहुँचेगी। यह ट्रेन 17 सितंबर से 5 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09084 बनारस-मुंबई सेंट्रल स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को बनारस से 14:30 बजे प्रस्थान करेगी और रविवार को 04:20 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी। यह ट्रेन 19 सितंबर से 07 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, शिकोहाबाद, मैनपुरी, भोगाँव, फर्रुखाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, जंघई और भदोही स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर और एसी-3 टियर (इकोनॉमी) कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09111/09112 वडोदरा - गोरखपुर स्पेशल (साप्ताहिक) ड20 फेरे.

ट्रेन संख्या 09111 वडोदरा-गोरखपुर स्पेशल प्रत्येक शनिवार वडोदरा से 19:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23:30 बजे गोरखपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 27 सितंबर से 29 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09112 गोरखपुर-वडोदरा स्पेशल प्रत्येक सोमवार को गोरखपुर से 05:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:00 बजे वडोदरा पहुँचेगी। यह ट्रेन 29 सितंबर से 01 दिसंबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, शिकोहाबाद, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, कानपुर, मानक नगर, बादशाह नगर, बाराबंकी, गोंडा और बस्ती स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास, द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09523/09524 ओखा - शकूर बस्ती स्पेशल (साप्ताहिक) ड20 फेरे.

ट्रेन संख्या 09523 ओखा - शकूर बस्ती स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को ओखा से 10:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:35 बजे शकूर बस्ती पहुँचेगी। यह ट्रेन 23 सितंबर से 25 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09524 शकूर बस्ती - ओखा स्पेशल प्रत्येक बुधवार को शकूर बस्ती से 13:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13:50 बजे ओखा पहुँचेगी। यह ट्रेन 24 सितंबर से 26 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में द्वारका, खंभालिया, जामनगर, हापा, राजकोट, सुरेंद्रनगर, विरमगाम, महेसाणा, उंझा, सिद्धपुर, पालनपुर, आबूरोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, अलवर, गुड़गांव और दिल्ली कैंट स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, एसी-3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09083, 09111 एवं 09523 की बुकिंग 11 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

डीसीपी क्राइम डिटेक्शन राज तिलक रोशन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी जानकारी

मुंबई नेवीनगर से राइफल चुराने वाले आरोपी चढ़े मुंबई क्राइम ब्रांच के हत्थे

नेवी नगर से राइफल चोरी के आरोप में दो भाई गिरफ्तार

राकेश ने ड्यूटी खत्म होने के बाद नेवी के एक जवान से राइफल ली थी, दूसरा भाई दीवार के बाहर इंतज़ार कर रहा थाः

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई क्राइम ब्रांच ने मुंबई के नेवी नगर से राइफल मैगजीन और 40 कारतूस चुराने के आरोप में दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। नेवी के जवान आलोक की राइफल इन दोनों ने चुराई थी और 8 सितंबर को कफ परेड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज होने के बाद, क्राइम ब्रांच की 9 टीमें बनाईं और दोनों को तेलंगाना के नक्सल प्रभावित इलाके आसिफाबाद से ढूंढ निकाला गया, जिसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम यहाँ पहुँची और दो भाइयों, 25 वर्षीय राकेश डोबोला और 22 वर्षीय उमेश डोबोला को गिरफ्तार कर लिया गया है। क्राइम ब्रांच ने उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। मुंबई पुलिस मुख्यालयमें प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डीसीपी क्राइम डिटेक्शन राज तिलक रोशन ने बताया कि नेवी नगर के संतरी इलाके से आलोक नामक नौसेना कॉन्स्टेबल से राइफल चुराकर भागने वाले दो भाइयों को तेलंगाना के नक्सल प्रभावित इलाके आसिफाबाद से गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों ने 6 सितंबर को नेवी के एक कॉन्स्टेबल से

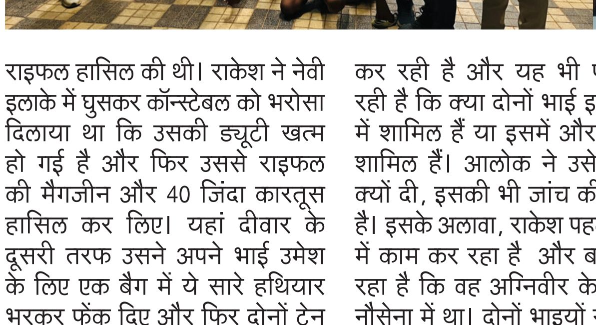

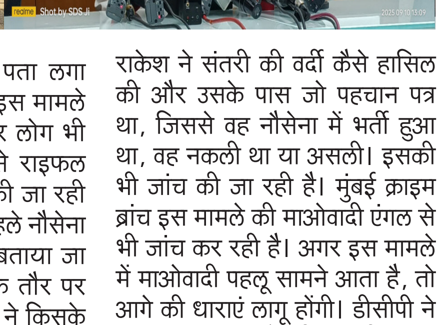

राइफल हासिल की थी। राकेश ने नेवी इलाके में घुसकर कॉन्स्टेबल को भरोसा दिलाया था कि उसकी ड्यूटी खत्म हो गई है और फिर उससे राइफल की मैगजीन और 40 जिंदा कारतूस हासिल कर लिए। यहां दीवार के दूसरी तरफ उसने अपने भाई उमेश के लिए एक बैग में ये सारे हथियार भरकर फेंक दिए और फिर दोनों ट्रेन से तेलंगाना भाग गए। पुलिस ने पहले इस मामले में चोरी का केस दर्ज किया था, लेकिन अब इस मामले में आर्म्स एक्ट भी लगाया गया है। डीसीपी राज तिलक रोशन ने बताया कि चूंकि यह एक बेहद संवेदनशील मामला है, इसलिए क्राइम ब्रांच मामले की जांच कर रही है और यह भी पता लगा रही है कि क्या दोनों भाई इस मामले में शामिल हैं या इसमें और लोग भी शामिल हैं। आलोक ने उसे राइफल क्यों दी, इसकी भी जांच की जा रही है। इसके अलावा, राकेश पहले नौसेना में काम कर रहा है और बताया जा रहा है कि वह अग्निवीर के तौर पर नौसेना में था। दोनों भाइयों ने किसके कहने पर इस वारदात को अंजाम दिया, इसकी भी जांच शुरू कर दी गई है। राकेश पहले कोच्चि में काम करता था और फिर वह मुंबई आ गया, इसलिए उसे नौसेना से जुड़ी बारीकियां पता थीं। मुंबई क्राइम ब्रांच यह भी पता लगा रही है कि राकेश ने संतरी की वर्दी कैसे हासिल की और उसके पास जो पहचान पत्र था, जिससे वह नौसेना में भर्ती हुआ था, वह नकली था या असली। इसकी भी जांच की जा रही है। मुंबई क्राइम ब्रांच इस मामले की माओवादी एंगल से भी जांच कर रही है। अगर इस मामले में माओवादी पहलू सामने आता है, तो आगे की धाराएं लागू होंगी। डीसीपी ने इस मामले में और गिरफ्तारियों से इनकार नहीं किया है।

मध्य रेल

मौजूदा ओएचई में परिवर्तन

खुली ई-निविदा संख्याः
केवायएन-एलडी-585-डब्लु-749-कांट-आर1
दि. 04.09.2025

कार्य का विवरण: मध्य रेलवे के मुंबई मंडल के दीवा, कोपर और डोंबिवली स्टेशनों के प्लेटफार्म 1 और 2 के विस्तार के संबंध में मौजूदा ओएचई में परिवर्तन। **अनुमानित लागत** ₹11994416.00 **ईएमडी** ₹210000.00 **निविदा प्रपत्र का शुल्क** ₹0.00 **समापन अवधी** 2 महिने **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं अवधि:** दि.25.09.2025 को 11:00 बजे है। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेल की अधिकारीक वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा की जानकरी वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क. वि.) मध्य रेल, कल्याण के सूचना पट पर उपलब्ध है।

व.मं.वि.इं. (क.वि.) मध्य रेल, कल्याण 434

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

गांधी के कारण बची है मोदी सरकार!

नेपाल पर बोले संजय राउत- भारत में भी बिगड़ सकते हैं हालात

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत ने बुधवार को भारत में भी ऐसी ही घटना होने के प्रति आगाह किया। राउत ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार, तानाशाही और भाई-भतीजावाद के खिलाफ नेपाल में जो आग लगी है, वह भारत में भी भड़क सकती है, लेकिन हिंसा न होने का कारण यह है कि लोग महात्मा गांधी की अहिंसक विचारधारा में विश्वास करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार गांधी की विचारधारा के कारण ही जीवित है।

राउत ने एएनआई से कहा कि अगर यह चिंगारी भारत में आती है, तो भारत एक बड़ा देश है, वह भारत जो आज तक सिर्फ़ इसलिए जीवित है क्योंकि महात्मा गांधी यहाँ पैदा हुए थे, आज भी लोग गांधी में विश्वास करते हैं, इसीलिए ये लोग जीवित हैं। आप गांधी को चाहे जितना भी गाली दें, मोदी जी, आपकी सरकार गांधी की विचारधारा के कारण ही जीवित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन देते हैं, इसका क्या मतलब है? ग़रीब अभी भी वहीं हैं, नेपाल का भी यही हाल था। भारत का पैसा विदेश जा रहा है। किसी का बेटा दुबई में बैठा है, किसी का बेटा सिंगापुर में, कोई क्रिकेट चेयरमैन बन गया है।

उन्होंने केंद्र सरकार पर विदेश नीति में विफलता का आरोप लगाते हुए कहा कि भारत ने अपने पड़ोसी की उस समय मदद नहीं की जब उसे इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी। उन्होंने कहा कि नेपाल कभी हमारा दोस्त था, नेपाल भारत को बड़ा भाई मानता था, जब नेपाल पर संकट आया, तो बड़ा भाई उनके साथ खड़ा नहीं हुआ, यह हमारी विदेश नीति की विफलता है। यहाँ का युवा आज चुप दिख रहा है, बेरोज़गारी है, बहुत सारी समस्याएँ हैं। इससे पहले 9 सितंबर को, राउत ने नेपाल में छात्रों के नारे लगाते हुए विरोध मार्च का एक वीडियो रीपोस्ट किया था।

नेपाल की राजधानी काठमांडू सहित पूरे नेपाल में चल रहे जेन-जेड के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के दौरान लूटपाट, आगजनी और अन्य हिंसक गतिविधियों में शामिल 27 लोगों को नेपाली सेना ने गिरफ्तार किया है, द हिमालयन टाइम्स ने आज पहले बताया था। ये गिरफ्तारियाँ मंगलवार रात 10 बजे से बुधवार सुबह 10 बजे के बीच की गईं, क्योंकि चल रहे विरोध प्रदर्शनों को नियंत्रित करने के लिए देश भर में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी। सुरक्षाकर्मियों ने अशांति के दौरान लगी आग बुझाने के लिए तीन दमकल गाड़ियाँ भी तैनात कीं। काठमांडू के गौशाला-चाबाहिल-बौद्ध गलियारे में, अधिकारियों ने संदिग्धों से 3.37 मिलियन नेपाली रुपये की चोरी की गई नकदी बरामद की।

रेलवे द्वारा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से धनबाद, रक्सौल और सहरसा के लिए चलने वाली विशेष ट्रेनों की सेवाओं में विस्तार

मुंबई(संवाददाता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए, रेलवे द्वारा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से धनबाद, रक्सौल और सहरसा के बीच चलने वाली विशेष ट्रेनों की सेवाओं में निम्नानुसार विस्तार किया गया हैः 1) लोकमान्य तिलक टर्मिनस - धनबाद विशेष सेवा

प्रत्येक गुरुवार को चलने वाली 03380 लोकमान्य तिलक टर्मिनस - धनबाद विशेष ट्रेन अब दिनांक 09.10.2025 से 04.12.2025 तक (9 सेवाएं) तक विस्तारित की गई है।प्रत्येक मंगलवार को चलने वाली 03379 धनबाद - लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष ट्रेन अब दिनांक 07.10.2025 से 02.12.2025 तक (9 सेवाएं) तक विस्तारित की गई है। 2) लोकमान्य तिलक टर्मिनस - रक्सौल विशेष सेवा प्रत्येक गुरुवार को चलने वाली 05558 लोकमान्य तिलक टर्मिनस - रक्सौल विशेष ट्रेन अब दिनांक 25.09.2025 से 27.11.2025 तक (10 सेवाएं) तक विस्तारित की गई है। प्रत्येक मंगलवार को चलने वाली 05557 रक्सौल - लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष ट्रेन अब दिनांक 23.09.2025 से 25.11.2025 तक (10 सेवाएं) तक विस्तारित की गई है। 3) लोकमान्य तिलक टर्मिनस - सहरसा विशेष सेवा प्रत्येक रविवार को चलने वाली 05586 लोकमान्य तिलक टर्मिनस - सहरसा विशेष ट्रेन अब दिनांक 21.09.2025 से 30.11.2025 तक (11 सेवाएं) तक विस्तारित की गई है। प्रत्येक शुक्रवार को चलने वाली 05585 सहरसा - लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष ट्रेन अब दिनांक 19.09.2025 से 28.11.2025 तक (11 सेवाएं) तक विस्तारित की गई है। परिचालन के दिन, समय, संरचना और ठहराव में कोई बदलाव नहीं होगा।

पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल ⇌ बनारस के बीच त्यौहार विशेष ट्रेन चलाएगा

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियां	प्रस्थान	आगमन
09083	मुंबई सेंट्रल - बनारस (एसी स्पेशल)	17.09.2025 to 05.11.2025	23:10 hrs	10:30 hrs
09084	बनारस - मुंबई सेंट्रल (एसी स्पेशल)	19.09.2025 to 07.11.2025	14:30 hrs	04:20 hrs

हॉल्टः बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम जंक्शन, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला जंक्शन, शिकोहाबाद जंक्शन, मैनपुरी जंक्शन, भोंगांव, फर्रुखाबाद जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, रायबरेली जंक्शन, अमेठी, मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन, जंघई जंक्शन। और भदोही स्टेशन दोनों दिशाओं में।

संरचनाः फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर और एसी 3-टियर (इकोनॉमी) कोच।

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09083 की बुकिंग 11.09.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराए पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly
Follow us on: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

मध्य रेल

एंटी-बर्ड डिस्क की व्यवस्था

खुली निविदा सूचना सं. BB.LD.583.P. Rev.25/14.Cont दिनांक 08-09-2025

कार्य का नाम: मुंबई मंडल के ADEE/TD/PNVL के अधिकार क्षेत्र में 25 केवी एसी इंसुलेटर पर पक्षियों से होने वाली ट्रिपिंग/फॉल्ट की रोकथाम हेतु एंटी-बर्ड डिस्क की व्यवस्था। **अनुमानित लागत** ₹63,39,280/- **बिड सिक्योरिटी** ₹1,26,800/- **ऑफर की वैधता:** 60 दिन **समापन अवधि:** 12 महीने **निविदा फार्म का मूल्य:** ₹0 i) उक्त निविदा का, निविदा बंद करने की तारीख और समय दिनांक **01.10.2025** को 11.00 बजे तक, और 11.00 बजे के बाद खोला जाएगा। ii) शुध्दिपत्रक के विवरण हेतुं अग्रदर्शी निविदाओं के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर भेट देने का अनुरोध है। iii) केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से उपर्युक्त इलेक्टॉनिकलि ई-टेन्डर में निविदाधारक सहभाग ले सकते है और ई-टेन्डर के अलावा हस्तचलित प्रस्तुत करने का निवेदन, देने की अनुमति नहीं है। हस्तचलित रूप से, यदि निविदा खुलने के बाद की प्रस्तुति का विचार नहीं किया जाएगा। iv) निविदा दस्तावेज में दिए गए विवरण के अनुसार बिड सिक्योरिटी का भुगतान किया जाना चाहिए। v) अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्स भवन, सीएसएमटी मुंबई-400001। फोन 022-22612355. निविदाओं संबधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा संबधी संपूर्ण विवरण **वरिष्ठ विद्युत मंडल अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्सभवन, सीएसएम टी मुंबई-400001** के ''नोटिस बोर्ड'' पर भी उपलब्ध है।

वरि, मं वि इं(क./वि.) छ.शि.म.ट. मुंबई 448

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

महाराष्ट्र नवप्रवर्तन नगर की आधारशिला रखने के लिए कार्रवाई के निर्देश

राज्य नवप्रवर्तन समिति के सुधारों को तत्काल लागू किया जाना चाहिए - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य नवप्रवर्तन समिति के सुधारों के सुझावों को तत्काल लागू किया जाना चाहिए और स्टार्टअप्स के मार्गदर्शन के लिए एक कुशल तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए। जहाँ अन्य राज्य स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रहे हैं, वहीं महाराष्ट्र को इस क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका बनाए रखनी चाहिए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने निर्देश दिया कि महाराष्ट्र नवप्रवर्तन नगर की स्थापना के लिए त्वरित कार्रवाई करते हुए शीघ्र आधारशिला रखी जाए। मुख्यमंत्री फडणवीस सह्याद्री अतिथि गृह में कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवप्रवर्तन विभाग की राज्य नवप्रवर्तन समिति की आम बैठक में बोल रहे थे।
इस अवसर पर कौशल मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मनीषा वर्मा, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रधान सचिव अश्विनी भिडे, रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अपूर्व पालकर, सचिव डॉ. श्रीकर परदेशी, आयुक्त लहुराज माली, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रघुनाथ माशेलकर, मित्रा के सीईओ प्रवीणसिंह परदेशी, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रधान सचिव पराग जैन नैनुतिया, नियोजन विभाग के प्रधान सचिव सौरभ विजय, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव ओमप्रकाश गुप्ता, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. वेणुगोपाल

रेड्डी, जनस्वास्थ्य विभाग के सचिव वीरेंद्र सिंह और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।
मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्राप्त सुझावों पर विचार कर राज्य नवाचार सोसायटी को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रभावी प्रक्रियाएं लागू की जानी चाहिए। महाराष्ट्र नवाचार नगर परियोजना को समयबद्ध योजना के अनुसार पूरा किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र स्टार्टअप, उद्यमिता एवं नवाचार नीति 2025 समाज में विविध परिवर्तन लाएगी और उद्यमिता एवं स्टार्टअप को पुनर्जीवित करेगी।

स्टार्टअप नीति का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा - कौशल मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा

कौशल मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि नई नीति के तहत मुख्यमंत्री उद्यमिता एवं नवाचार कोष की स्थापना की जाएगी। सरकार में पंजीकृत 30 लाख तकनीकी रूप से शिक्षित युवाओं को ईमेल के माध्यम से एआई परीक्षा में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इसमें से पाँच लाख उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। आगे की जाँच के बाद, प्रतियोगिताओं, हैकाथॉन और परीक्षणों के माध्यम से 1 लाख उम्मीदवारों को अवसर प्रदान किए जाएँगे। अंतिम चरण में चयनित 25 हज़ार उम्मीदवारों को तकनीकी सहायता, वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करके सफल उद्यमी और स्टार्टअप तैयार करना इसका उद्देश्य है।
महिला सशक्तिकरण के लिए बांद्रा स्थित चमड़ा संस्थान में एक महिला-केंद्रित इनक्यूबेटर, विशेष वित्तीय सहायता और 'मिशन इनोवेशन 2047' नामक एक विश्वस्तरीय केंद्र स्थापित किया जाएगा। 20 प्रमुख वैश्विक कंपनियों के साथ साझेदारी में ग्लोबल महाराष्ट्र इनोवेशन समिट का आयोजन करके ?50,000 करोड़ प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (इऊ) का लक्ष्य भी रखा गया है।

स्टार्टअप नीति के सकारात्मक परिणाम - डॉ. रघुनाथ माशेलकर

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रघुनाथ माशेलकर ने कहा कि महाराष्ट्र द्वारा तैयार की गई स्टार्टअप नीति 2025 अत्यंत नवीन है और इसके सकारात्मक परिणाम दिखने लगे हैं। बोइंग कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन इसका एक अच्छा उदाहरण है। महाराष्ट्र स्टार्टअप्स के लिए एक हॉटस्पॉट बन रहा है।
प्रवीण परदेशी ने कहा कि राज्य की नीति ने वित्तपोषण को आसान बनाया है और स्टार्टअप्स के विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है।
महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. माधुरी कानिटकर ने कहा कि एनसीआई इनक्यूबेटर सेंटर के कारण चिकित्सा क्षेत्र में भी नए प्रयोग हो रहे हैं।
अतिरिक्त मुख्य सचिव मनीषा वर्मा ने सोसाइटी की कार्य योजना और वर्तमान स्थिति की समीक्षा प्रस्तुत की।
इस अवसर पर महाराष्ट्र पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय, नागपुर के कुलपति डॉ. एस. डी. इंगोले, इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, मुंबई के वैज्ञानिक श्यामलान रेशमवाला, आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के महानिदेशक अजीत मंगरुलकर, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पुणे के निदेशक प्रो. सुनील भागवत, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई के प्रोफेसर प्रो. सुशील शर्मा, विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपुर के प्रोफेसर डॉ. शीतल शामिल थे। चिद्दरवार, आईआईटी मुंबई के प्रोफेसर निशांत शर्मा, कॉर्नरस्टोन वेंचर पार्टनर्स, मुंबई के मैनेजिंग पार्टनर राजीव वैष्णव और एमसीसीआईए के महानिदेशक प्रशांत गिरबाने, 'आईआईएसईआर' पुणे, वीएनआईटी नागपुर के प्रतिनिधि, विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ऐरोली और कोपरखैराने प्रभागों में अनाधिकृत निर्माण के विरुद्ध बेदखली की कार्रवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम के अतिक्रमण विभाग द्वारा जारी नोटिस के बावजूद, संबंधितों ने नोटिस का संज्ञान नहीं लिया। माननीय आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के निर्देशानुसार और अपर आयुक्त (2) डॉ. राहुल गेठे एवं उपायुक्त (अतिक्रमण) डॉ. कैलाश गायकवाड़ के मार्गदर्शन में, अतिक्रमण विभाग ने नवी मुंबई नगर निगम विभाग के माध्यम से ऐरोली और कोपरखैराने प्रभागों में अनाधिकृत निर्माण के विरुद्ध बेदखली की कार्रवाई की।
नितिन वामन नागराले ने नवी मुंबई नगर निगम के जी प्रभाग ऐरोली कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में, ई-189, ई-190, ई-191 सेक्टर-02, ऐरोली, नवी मुंबई में अवैध रूप से निर्माण कार्य शुरू किया था।
नितिन वामन नगराले, ई-189, ई-190, ई-191 सेक्टर-02, ऐरोली, नवी मुंबई को उनके द्वारा किए गए अनाधिकृत निर्माण के लिए विभागीय कार्यालय के माध्यम से महाराष्ट्र क्षेत्रीय नियोजन एवं नगर नियोजन अधिनियम 1966 की धारा 53(1ए)/54 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया है। संबंधितों के लिए अनाधिकृत निर्माण को स्वयं हटाना आवश्यक था। परंतु उन्होंने अनाधिकृत निर्माण जारी रखा था।
सुनील कथोले, षष्ठम आयुक्त एवं प्रभागीय अधिकारी ऐरोली के नेतृत्व में एक तोड़फोड़ अभियान चलाकर उक्त अनाधिकृत निर्माण को हटाया गया। साथ ही, उक्त कार्रवाई के अंतर्गत उक्त निर्माण के धारक से कुल 75,000/- रुपये का जुर्माना वसूला गया है।
इस छापेमारी अभियान में जी-डिवीजन कार्यालय के अतिक्रमण विभाग के अधिकारी/कर्मचारी, 06 मजदूर, ब्रेकर-2, गैस कटर-1, साथ ही अतिक्रमण विभाग की पुलिस तैनात थी।
साथ ही, नवी मुंबई नगर निगम के

कोपरखैरणे प्रभाग के अधिकार क्षेत्र में हेमचंद्र धोंडीराम म्हात्रे, मकान क्रमांक 366, कोपरखैरणे गाँव, कोपरखैरणे, नवी मुंबई के निर्माण के लिए महाराष्ट्र क्षेत्रीय योजना और नगर नियोजन अधिनियम, 1966 की धारा 54 के अंतर्गत 15-05-2025 को एक नोटिस जारी किया गया था। उक्त निर्माण के विरुद्ध आंशिक विध्वंस कार्रवाई की गई और 15,000/- रुपये का जुर्माना वसूला गया। उक्त अनधिकृत निर्माण पर कोपरखैरणे विभाग द्वारा विध्वंस अभियान चलाया गया। इस विध्वंस अभियान के लिए कोपरखैरणे विभाग के सहायक आयुक्त श्री भरत यू धांडे, कनिष्ठ अभियंता श्री चंद्रकांत धोत्रे एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी तथा न.म.म.प. पुलिस बल उपस्थित था।

राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में मनपा टीम की शानदार सफलता

आयुक्त द्वारा विजेता कबड्डी टीम की सराहना

मंत्र भारत। संवावदाता
मीरा भयंदर मनपा कबड्डी टीम ने 3 से 9 सितंबर 2025 तक नेताजी पब्लिक लाइब्रेरी, पडेगांव में आयोजित राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस सफलता के लिए, मनपा के आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा (भा.पु.से.) ने पूरी टीम को विशेष रूप से बधाई दी और प्रशंसा की तथा भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता के प्रत्येक मैच में खिलाड़ियों द्वारा दिखाई गई दृढ़ता और कुशल खेल के कारण मनपा कबड्डी टीम ने अपनी सफलता के इस पड़ाव पर मनपा आयुक्त ने कबड्डी टीम से विशेष मुलाकात की, उनसे बातचीत की और उनका मनोबल बढ़ाया।मीरा भयंदर मनपा खेल विभाग ने कुल 15 कबड्डी खिलाड़ियों को आधिकारिक रूप से गोद लिया है। इन खिलाड़ियों को पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए, इस टीम के

लिए अनुभवी कोच, विशेषज्ञ फिटनेस ट्रेनर और पेशेवर फिजियोथेरेपिस्ट नियुक्त किए गए हैं। इस कबड्डी टीम के साथ, खेल के क्षेत्र में गुणवत्ता बढ़ाने के लिए मनपा के प्रयास जारी है।
कबड्डी टीम ने कहा क आयुक्त से मिले प्रोत्साहन और शुभकामनाओं के कारण टीम के खिलाड़ियों को नई ऊर्जा मिली है। उन्होंने अगली प्रतियोगिताओं में और भी बेहतर प्रदर्शन करके करने का संकल्प भी व्यक्त किया।

ट्रांसजेंडर लोगों के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाना चाहिए - सामाजिक न्याय राज्य मंत्री माधुरी मिसाल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। ट्रांसजेंडरों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार में समान अवसर प्रदान करके योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाना चाहिए। साथ ही, सामाजिक न्याय राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने उन्हें निःशुल्क और उच्च शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए। अब तक 4783 ट्रांसजेंडरों को पहचान पत्र जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि शेष पहचान पत्र भी जल्द ही जारी कर दिए जाएँगे।
ट्रांसजेंडरों के सर्वांगीण विकास हेतु नई योजनाएँ तैयार करने, नीतियों की समीक्षा, पृथक प्रकोष्ठों के प्रावधान, पहचान पत्र, कौशल विकास प्रशिक्षण और विभागीय एवं ज़िला स्तरीय समितियों के गठन के संबंध में मंत्रालय में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर ट्रांसजेंडर संरक्षण एवं कल्याण निगम के प्रतिनिधियों के साथ-साथ स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, राजस्व विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।
सामाजिक न्याय राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने कहा कि समाज में ट्रांसजेंडरों को भी समान दर्जा मिलना चाहिए। सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि उन्हें स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा और व्यवसाय में समान अधिकार प्राप्त हों। प्रत्येक योजना का लाभ उनकी पात्रता के अनुसार दिया जाना चाहिए और शिक्षा एवं अन्य सरकारी पदों की भर्ती प्रक्रिया में आवेदन पत्र में ट्रांसजेंडर को लिंग विकल्प के रूप में उपलब्ध कराया जाना चाहिए। ट्रांसजेंडरों के लिए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समन्वय अधिकारी नियुक्त किए जाने चाहिए। शिकायत निवारण हेतु प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय शिकायत समिति का गठन किया जाना चाहिए, साथ ही समन्वय हेतु राज्य स्तरीय ट्रांसजेंडर संरक्षण प्रकोष्ठ और अधिकारियों की नियुक्ति की जानी चाहिए। इस संबंध में, किसी तृतीय पक्ष संस्था के माध्यम से जिलेवार सर्वेक्षण करवाना आवश्यक है, जो शीघ्र किया जाना चाहिए।
तृतीय जाति समुदाय के लिए नीति के प्रभावी क्रियान्वयन और कानून बनाने हेतु कार्रवाई की जानी चाहिए। तृतीय जाति समुदाय के 68 सदस्य उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और अधिकाधिक तृतीय जाति समुदाय के सदस्यों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने और भविष्य में उन्हें विदेशी छात्रवृत्तियों का लाभ दिलाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने मुंबई सहित राज्य में संभागीय कार्यालय स्थापित कर रोजगार एवं प्रशिक्षण संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के भी निर्देश दिए।
अब तक 3901 आधार कार्ड वितरित किए जा चुके हैं और 1240 आयुष कार्ड प्रदान किए जा चुके हैं। शेष ट्रांसजेंडरों को भी शीघ्र ही आयुष कार्ड वितरित किए जा रहे हैं। मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा सुविधाओं के प्रावधान के संबंध में स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया जाए। स्वास्थ्य एवं सामाजिक उत्थान तथा स्वास्थ्य सेवाओं के लिए विशेष योजनाएँ बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

मध्य रेल के मुंबई मंडल ने स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में की वृद्धि

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

New escalator at Tilak Nagar station

New Coach Guidance indicators at CSMT

New Coach Guidance indicators at CSMT

मध्य रेल अपने नेटवर्क में स्टेशन सुविधाओं में वृद्धि कर बेहतर यात्री सुविधा और सुरक्षा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखे हुए है। सभी यात्रियों के लिए आरामदायक, सुलभ और निर्बाध यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण उन्नयन और स्थापनाएँ की गई हैं।
जनवरी से अगस्त 2025 की अवधि के दौरान मुंबई मंडल द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं की मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं:
यात्री सुविधाः
एस्केलेटरः
कुल 10 एस्केलेटर प्रदान किए गए हैं, जिनमें कर्जत, तिलक नगर, मानखुर्द, विक्रोली और वांगनी स्टेशनों पर 2-2 एस्केलेटर शामिल हैं।
लिफ्टः
कुल 9 लिफ्ट लगाई गई हैं, जिनमें गोवंडी में 3, खर्डी और शिवड़ी स्टेशनों पर 2-2, शेलू और चूनाभट्टी स्टेशनों पर 1-1
फुट ओवर ब्रिज का कार्यः
गोवंडी में 6 मीटर चौड़ा एफओबी का काम पूरा हो गया है।
सीएसएमटी में प्लेटफार्म 14/15, 16/17 और 18 के पुराने एफओबी कनेक्टरों को एमएस चेकर्ड प्लेट डेक से बदल दिया गया है।
मस्जिद स्टेशन पर पुरानी सीढ़ियों का पुनर्निर्माण पूरा हो गया है।
यात्री जानकारीः
प्लेटफॉर्म और ट्रेन संकेतक
सैंडहर्स्ट रोड स्टेशन पर चार नई जीपीएस घड़ियाँ लगाई गई हैं।
घनसोली, रबाले और ऐरोली स्टेशनों पर पुराने उपनगरीय ट्रेन संकेतकों को बेहतर दृश्यता के लिए नए संकेतकों से बदल दिया गया है।
वाशी स्टेशन पर 16 प्लेटफ़ॉर्म संकेतक और 8 सबवे संकेतकों को नए संकेतकों से बदल दिया गया है।
बेलापुर स्टेशन पर 16 प्लेटफ़ॉर्म संकेतकों को नए संकेतकों से बदल दिया गया है।
खारकोपर और बामनडोंगरी स्टेशनों पर प्लेटफ़ॉर्म, बुकिंग कार्यालयों और सबवे पर 40 नए संकेतक लगाए गए हैं।
खंडेश्वर स्टेशन पर प्लेटफ़ॉर्म और बुकिंग कार्यालयों पर 8 नए ट्रेन संकेतक लगाए गए हैं।
डोंबिवली स्टेशन पर 1 अतिरिक्त प्लेटफ़ॉर्म संकेतक लगाया गया है और
अपर कोपर स्टेशन पर डेमू और मेमू के लिए 2 प्लेटफ़ॉर्म संकेतक लगाए गए हैं।
ऑल-इन-वन वीडियो डिस्प्ले (एवीडी) संकेतकः
उल्हासनगर, नेरल और वांगनी स्टेशनों पर नए एवीडी संकेतक लगाए गए हैं।
सीएसएमटी प्लेटफ़ॉर्म 15/16 पर 2 एवीडी संकेतक लगाए गए हैं।
कोच मार्गदर्शन संकेतकः
प्लेटफ़ॉर्म 12/13 के विस्तार कार्य के तहत सीएसएमटी पर 26 नए कोच मार्गदर्शन संकेतक (प्रत्येक प्लेटफ़ॉर्म पर 13) लगाए गए हैं।
आगमन/प्रस्थान संकेतकः
सीएसएमटी प्लेटफ़ॉर्म 14/15 के प्रवेश द्वार पर और दादर स्टेशन के पीआरएस हॉल में 1-1, 5 लाइन के दो नए मेल/एक्सप्रेस आगमन/प्रस्थान संकेतक लगाए गए हैं।
पनवेल बुकिंग कार्यालय के प्रवेश द्वार पर 2 नए लाइन के मेल/एक्सप्रेस आगमन/प्रस्थान संकेतक लगाए गए हैं।
सार्वजनिक घोषणा प्रणालीः
उल्हासनगर में सभी पुराने पीए सिस्टम स्पीकर के स्थान पर नए लगाए गए हैं। विद्याविहार और टिटवाला में पुराने पीए सिस्टम की जगह नए लगाए गए हैं।
दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँः
दिव्यांगजन यात्रियों की सुविधा के लिए मेन और हार्बर लाइन के विभिन्न स्टेशनों पर कुल 170 नए बजर लगाए गए हैं। ये बजर दिव्यांगजन यात्रियों, विशेषकर दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए निर्धारित स्थान का पता लगाने में अत्यंत सहायक हैं।
यात्री टिकटिंगः
मुंबई मंडल के 75 स्टेशनों पर 228 नई एटीवीएम (स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें) लगाई गई हैं।
एटीवीएम तेज़ टिकटिंग समाधान प्रदान करती हैं जिससे यात्रियों को टिकट खिड़कियों पर लंबी कतारों से मुक्ति मिलती है।
मध्य रेल समग्र यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक तकनीक और बुनियादी ढाँचे में सुधार को शामिल करते हुए स्टेशन सुविधाओं को उन्नत करने के अपने प्रयासों में दृढ़ है। ये पहल यात्री-अनुकूल रेलवे नेटवर्क के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो पहुँच, सुविधा और संरक्षा पर ज़ोर देती हैं।

नेपाल में फंसे महाराष्ट्र के पर्यटकों की सुरक्षित वापसी प्राथमिकता- उपमुख्यमंत्री अजित पवार

मुंबई। नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता और उसके कारण उत्पन्न तनाव के मद्देनजर, राज्य सरकार वहाँ फंसे महाराष्ट्र के पर्यटकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास कर रही है। राज्य सरकार केंद्रीय विदेश मंत्रालय और महाराष्ट्र सदन के माध्यम से नेपाल स्थित भारतीय दूतावास के संपर्क में है और राज्य में पर्यटकों को आवश्यक सहायता प्रदान करने का प्रयास कर रही है। नेपाल में फंसे प्रत्येक पर्यटक को सुरक्षित वापस लाना और उनके परिवारों को राहत प्रदान करना प्राथमिकता है। इसलिए, उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने महाराष्ट्र के पर्यटकों से घबराने की अपील नहीं की है।
अब तक जानकारी मिली है कि राज्य के ठाणे, पुणे, मुंबई, लातूर और कोल्हापुर जिलों के लगभग 100 पर्यटक नेपाल में फंसे हुए हैं। इसके अलावा, बीड जिले से गए पर्यटक सड़क मार्ग से निजी वाहन से वापस लौटने के लिए निकल पड़े हैं और उत्तर प्रदेश के गोरखपुर पहुँच गए हैं। अधिकांश पर्यटक ठाणे जिले के मुरबाड के हैं। राज्य सरकार फंसे हुए पर्यटकों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है और उनके संपर्क में है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बताया कि सभी पर्यटक सुरक्षित हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस-वोटिंग पर बवाल, सुप्रिया सुले बोलीं- महाराष्ट्र को बदनाम न करें

पुणे। उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को भारी मतों से जीत मिली। इसके बाद क्रॉस-वोटिंग के आरोपों को लेकर चर्चा का बाजार गर्म हो गया। ऐसे में एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने बुधवार को केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के महाराष्ट्र से सांसदों द्वारा क्रॉस-वोटिंग करने का आरोप लगाकर महाराष्ट्र को बदनाम किया जा रहा है। सुले ने सवाल उठाया कि अगर 14 वोट अलग हुए हैं तो क्या वह सिर्फ महाराष्ट्र ने किए? महाराष्ट्र और मराठी लोगों को क्यों बदनाम कर रहे हैं?
बता दें कि ये पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब उपराष्ट्रपति चुनाव खत्म होने पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए और विपक्षी गठबंधन के मित्र सांसद एकजुट रहे। इसके लिए विपक्षी गठबंधन के कुछ सांसदों को विशेष धन्यवाद। इसके बाद सियासत में गर्माहट तेज हो गई और आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी शुरू हो गई।

भाजपा को कैसे पता कि क्रॉस वोटिंग हुई?'

सुले ने आगे यह भी कहा कि वोटिंग गोपनीय थी, फिर भाजपा को कैसे पता चला कि क्रॉस-वोटिंग हुई? उन्होंने कहा कि भाजपा के सांसद संजय जायसवाल खुद कह रहे हैं कि 40 वोट ज्यादा मिले। इनमें से 11 वोट वाईएसआर कांग्रेस के थे, जो इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है। सुले ने कहा कि भाजपा के सहयोगी अपने हिसाब से समर्थन करते हैं।

अजित पवार पर भी साधा निशाना

दूसरी ओर सुप्रिया सुले ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा एक महिला आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा से फोन पर सख्त लहजे में बात करने और उनकी योग्यता पर सवाल उठाने को लेकर भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि महिला पुलिस अधिकारी को डिग्री दिखाने के लिए

कहना यूपीएससी जैसी परीक्षा पर सवाल उठाने जैसा है।
सुले ने कहा कि जब कोई ईमानदारी से काम कर रहा है, तो उसे डराया-धमकाया नहीं जाना चाहिए। एक सभ्य और ईमानदार महिला अधिकारी को न्याय मिलना चाहिए। इस मामले की पारदर्शी जांच होनी चाहिए। बता दें कि ये मामला तब का है जब हाल ही में एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें पवार सोलापुर जिले में अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ कार्रवाई करने पर पुलिस अधिकारी से नाराज दिखाई दे रहे हैं।

नेपाल में फैले अशांति पर भी बोलीं सुले

इसके साथ ही अंत में एनपीसी (एसपी) नेता सुप्रिया सुले ने नेपाल में जारी हिंसक प्रदर्शनों पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस हिंसा को लेकर केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यह मामला बेहद गंभीर है और भारत सरकार को सभी दलों की बैठक बुलानी चाहिए। सुले ने कहा कि जैसे ऑपरेशन सिंदूर के समय सभी एक साथ आए थे, वैसे ही अब भी सभी राजनीतिक दलों को साथ आना चाहिए।

सम्पादकीय

नेपाल में आग, आक्रोश और इस्तीफा, जेन Z ने सत्ता को दिया सबसे बड़ा चैलेंज

भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश के बाद अब नेपाल में युवाओं का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दे रहा है। आगजनी, तोड़फोड़ और हिंसा में कई लोगों की जान चली गई है। सरकारी संपत्तियों को भी बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है। सरकार की ओर से सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने से सुलगी विरोध की इस चिंगारी से संसद तथा प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के आवास भी अछूते नहीं रहे। प्रदर्शनकारियों की भीड़ को नियंत्रित करना सुरक्षा बलों के लिए इस समय बड़ी चुनौती है। हालात इस कदर बेकाबू हो गए कि प्रधानमंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा है। इससे पहले सरकार के कुछ मंत्री भी अपना पद छोड़ चुके हैं।

सवाल यह है कि आखिर देश का युवा वर्ग इतना ज्यादा आक्रामक कैसे हो गया? शासन और स्थानीय प्रशासन युवाओं के गुस्से को समय रहते शांत करने में क्यों नाकाम रहा? क्या सरकार को इस बात का इल्म नहीं था कि हालात इस कदर बिगड़ सकते हैं या फिर इसका पूर्व आकलन करने में कहीं कोई चूक हुई है? दरअसल, नेपाल सरकार ने पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। सरकार का तर्क था कि देश में सोशल मीडिया मंचों से संबंधित कंपनियां पंजीकरण कराने की अनिवार्यता का पालन करने में विफल रही हैं। इसके बाद बड़ी संख्या में युवा सड़कों पर उतर आए और सरकार के इस फैसले का विरोध करने लगे।

सोमवार को विरोध प्रदर्शन का दायरा व्यापक हो गया और काठमांडो में युवाओं की उग्र भीड़ ने जगह-जगह तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस दौरान सुरक्षाबलों के साथ प्रदर्शनकारियों की हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। इससे युवाओं का आक्रोश बढ़ गया और भीड़ संसद भवन परिसर में घुस गई। यहां तक कि प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के आवासों को भी निशाना बनाया गया।

हालात को देखते हुए सरकार ने सोमवार रात को ही सोशल मीडिया पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया और मंगलवार को प्रधानमंत्री ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मगर प्रदर्शनकारी अभी भी शांत नहीं हुए हैं और वे सरकार को बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं।नेपाल के इतिहास में इसे बहुत बड़ी घटना के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले बांग्लादेश और श्रीलंका में भी इसी तरह जन आक्रोश ने सरकारों को अपदस्थ कर दिया था। इस बात पर भी गौर करना जरूरी है कि नेपाल में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व 'जेन जी' कर रहा है। यह युवाओं का एक ऐसा समूह है, जो पिछले कुछ समय से भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चला रहा है। इस समूह ने पिछले दिनों सोशल मीडिया के जरिए सरकार के मंत्रियों और अन्य प्रभावशाली हस्तियों के बच्चों की फिजूलखर्ची तथा उनकी जीवनशैली को लेकर गंभीर सवाल उठाए थे।

दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले को अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदी के साथ-साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज को दबाने के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है। इसमें दोराय नहीं कि किसी भी देश में अभिव्यक्ति की आजादी हर हाल में होनी चाहिए, लेकिन क्या हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ ही इसका एकमात्र समाधान है?

बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि नेपाल की सरकार और युवा वर्ग देश एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझेंगे और माहौल का शांत कर बातचीत की राह पर लौटेंगे।

आर्कटिक का कीमती खजाना

कौन करेगा दुनिया की सबसे बड़ी संपदा पर कब्जा?

प्राकृतिक संसाधनों को हथियाने की होड़ में लगी वैश्विक ताकतों की निगाहें आर्कटिक के खनिजों पर जा टिकी हैं। हालांकि यह क्षेत्र अत्यंत दुर्लभ है और यहां से धातुओं का दोहन बहुत कठिन है। आर्कटिक में ऐसी दुर्लभ खनिज संपदा है कि वे जिस देश के हाथ लग जाएगी, वह आर्थिक और सामरिक रूप में समृद्ध हो जाएगा। अभी भी आर्कटिक क्षेत्र से रूस के जरिए विश्व का चालीस फीसद पैलेडियम, 20 फीसद हीरे, 15 फीसद प्लैटिनम, 11 फीसद कोबाल्ट, दस फीसद निकल और आठ फीसद जिंक का उत्पादन होता है। इसलिए इस क्षेत्र की जरूरत आर्थिक रूप से संपन्न देशों को हो रही है। अपनी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अमेरिका, रूस और चीन आर्कटिक पर कब्जे की होड़ में शामिल हैं।

दरअसल, इस क्षेत्र में खनिजों के दोहन की होड़ इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन के कारण आर्कटिक महासागर का जलस्तर घट रहा है। यह उत्तरी ध्रुव के चारों ओर एक वृत्त में घिरा हुआ, दुनिया का सबसे छोटा और उथला महासागर है। इसलिए ये देश आर्कटिक क्षेत्र में संसाधनों की तलाश में उत्खनन बढ़ाने में लगे हैं। जलवायु परिवर्तन के संकेत साफ दिखने लगे हैं। नए शोध बताते हैं कि आर्कटिक से हिमनद तो टूट ही रहे हैं, वायुमंडल का तापमान बढ़ने के कारण बर्फ भी तेजी से पिघल रही है। जलवायु बदलाव का बड़ा संकेत संयुक्त अरब अमीरात में भी दिख चुका है। बीते 75 वर्षों में यहां सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई। चौबीस घंटे में दस इंच से ज्यादा हुई इस बारिश ने रेगिस्तान के बड़े भू-भाग को दरिया में बदल दिया था।

आर्कटिक पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर शोध एवं अध्ययन लगातार सामने आ रहे हैं। ये अध्ययन विशाल आकार के हिमनदों के पिघलने, टूटने, पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के खिसकने, ध्रुवीय भालुओं के मानव आबादियों में घुसने और सील मछलियों में कमी को उजागर करते हैं। ये ऐसे प्राकृतिक संकेत हैं, जो पृथ्वी के बढ़ते तापमान का आर्कटिक पर प्रभाव बता रहे हैं। पर्यावरण विज्ञानी इस बदलाव को समुद्री जीवों, जहाजों, पेंगुइन और छोटे द्वीपों पर आबादी के लिए एक बड़े खतरे के रूप में देख रहे हैं। बीते एक दशक के भीतर ऐसी खबरें ज्यादा आई हैं। विशेष तौर से उत्तरी ध्रुव की स्थिति की जानकारी देने के लिए सजग प्रहरी के रूप में अनेक उपग्रहों की तैनाती कुछ देशों ने की है।

अमेरिका के 'नेशनल स्नो एंड साइंस डाटा सेंटर' के अध्ययन के मुताबिक, वर्ष 2014 में ही उत्तरी ध्रुव के 32.90 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में बर्फ की परत पिघली है। यह क्षेत्रफल लगभग भारत-भूमि के बराबर है। इस संस्थान के अनुसार, 1979 में उत्तरी ध्रुव पर बर्फ जितनी कठोर थी, अब उतनी नहीं रह गई है। इसके ठोस हिमतल में 40 फीसद की कमी आई है। हिमतल में एक वर्ष में इतनी बड़ी तरलता, इस बात की द्योतक है कि भविष्य में इसके पिघलने की गति और तेज हो सकती है।

उधर, साधन संपन्न देश इस जलवायु परिवर्तन को वरदान मान कर चल रहे हैं, क्योंकि यहां पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और अन्य खनिजों के व्यापाक भंडार हैं। इसीलिए अमेरिका इस क्षेत्र में रणनीतिक दृष्टि से सैन्य ताकत बढ़ा रहा है, ताकि चीन के बढ़ते प्रभाव को चुनौती दी जा सके। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, इस क्षेत्र में दुनिया के तेरह फीसद तेल और तीस फीसद गैस भंडारों के साथ अनेक दुर्लभ खनिज उपलब्ध हैं। अमेरिका इसीलिए ग्रीनलैंड में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। रूस पहले से ही इस क्षेत्र का बड़ा खिलाड़ी रहा है। उसने यहां अपनी सैन्य और आर्थिक उपस्थिति बढ़ाई है। रूस यहां सुविधाजनक स्थिति में इसलिए है, क्योंकि उसके भू-भाग का पांचवां हिस्सा आर्कटिक में है। आर्कटिक तटीय सागर की आधी से ज्यादा लंबाई रूसी क्षेत्र में आती है। रूस यहां की प्राकृतिक संपदा का दोहन कर उसका उत्तरी समुद्री मार्ग से कारोबार करने की कोशिश में जुटा हुआ है। हालांकि, अभी भी रूस की अर्थव्यवस्था में दस फीसद के बाद की भागीदारी आर्कटिक की खनिज संपदा के दोहन पर ही निर्भर है।

चीन आर्कटिक क्षेत्र का नया खिलाड़ी है। उसने इस क्षेत्र में बुनियादी संरचना और परियोजनाओं में निवेश शुरू कर दिया है। चीन दूसरे देशों के बढ़ते दखल के कारण स्वयं को अब आर्कटिक का निकटतम देश बताकर अपनी दावेदारी मजबूत करने के प्रयास में है। जबकि वह न तो इस क्षेत्र के निकट है और न ही आर्कटिक से जुड़ा उसका कोई समुद्री तट है। वह आर्कटिक परिषद का देश भी नहीं है। चीन यहां अपने परमाणु ऊर्जा चालित जहाजों को भेजने की कोशिश में है। अमेरिका के लिए चीन की यह नई चुनौती है। यहां बर्फ पिघलने को चीन अपने लिए अनुकूल स्थिति इसीलिए मान कर चल रहा है, क्योंकि तेजी से बर्फ पिघलने से उत्तरी समुद्री मार्ग खुलते जा रहे हैं। स्वेज नहर की तुलना में व्यापार के लिए यह नया मार्ग अधिक सुरक्षित माना जा रहा है।

सुदूर आर्कटिक परिषद में कुल आठ देश, कनाडा, फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड, नार्वे, स्वीडन, अमेरिका और रूस शामिल हैं। अमेरिका ने ग्रीनलैंड में शीत युद्ध के आरंभ में ही सैन्य ठिकाना बना लिया था। इसे पहले थुले नाम से जाना जाता था, लेकिन अब पिटुफिक स्पेस बेस के नाम से जाना जाता है। इस ठिकाने पर एक अत्यंत शक्तिशाली रडार अमेरिका ने तैनात किया हुआ है, जो यहां की जानकारी उसे तुरंत देता है। यह रडार इतना सतर्क है कि अंतरिक्ष में सक्रिय किसी गेंद जैसी वस्तु को भी यह देखने में सक्षम है। यानी परमाणु हथियार ले जा रही बैलिस्टिक मिसाइल अगर इस क्षेत्र से गुजरती है तो वह रडार की पकड़ में आसानी से आ सकती है। कोयले का भी इस क्षेत्र में अकूत भंडार है। औद्योगिक विकास के वास्ते खनिज संपदा के लिए यहां व्यापारिक गतिविधियां तेज हुई हैं। इस कारण यहां पारिस्थितिकी तंत्र गड़बड़ाने लगा है।

इस क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के अनेक दुष्परिणाम दिखाई दे रहे हैं। इनमें से एक उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव क्षेत्रों में पृथ्वी पर बढ़ते तापमान के कारण बर्फ का पिघलना भी है। अत्यधिक गर्मी या सर्दी का पड़ना भी इसके कारक माने जा रहे हैं। वैज्ञानिकों की यह चिंता तब और ज्यादा बढ़ गई, जब आर्कटकि में फ्रांस से भी बड़े आकार के हिमनद 'टाटेन' के पिघलने की जानकारी अनुमान से कहीं ज्यादा निकली। यानी अभी तक जो अनुमान लगाए गए थे, उसकी तुलना में यह विशालकाय हिमनद कहीं अधिक तेजी से पिघल रहा है।

इससे समुद्र का जलस्तर बढ़ने की भी आशंका जताई जा रही है। सेंट्रल वाशिंगटन विवि के पाल बिनबेरी की एक रपट के मुताबिक, 'अध्ययन से पहले लगता था कि 'टाटेन' हिमनद की बर्फ स्थिर है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के असर के कारण इसकी स्थिरता में बदलाव देखा गया है और यह तेजी से पिघल रहा है। यदि आर्कटिक में उत्खनन की गतिविधियां बढ़ती हैं, तो निश्चित रूप से विश्वस्तर पर जलवायु परिवर्तन का संकट गहराएगा।

मिजोरम में रेल लाइन केवल यात्रा नहीं, समृद्धि भी

जया वर्मा सिन्हा,
पूर्व अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

भारत के उत्तर-पूर्व में स्थित मिजोरम की राजधानी आइजोल रेल नेटवर्क से जुड़ने का जश्न मना रहा है। बइरबी-सायरंग रेल लाइन बिछा दी गई है, जो इस ऐतिहासिक बदलाव की गवाह बनेगी। यह लाइन असम-मिजोरम सीमा के पास स्थित बइरबी से शुरू होकर, राजधानी आइजोल से मात्र 18 कि.मी.दूर बसे छोटे नगर सायरंग तक पहुँचती है।

51.38 कि.मी.लंबी यह नई रेल लाइन घने बाँस के जंगलों, गहरी घाटियों और खड़ी पहाड़ियों से गुजरते हुए लुशाई (मिजो) पर्वतों से होकर निकलती है। 45 सुरंगों और 55 मुख्य ब्रिजों वाली इस रेल लाइन पर देश का दूसरा सबसे ऊँचा पियर ब्रिज बना है, जिसकी ऊँचाई 114 मीटर है, यानी कुतुब मीनार से भी अधिक ऊँचा। इसके साथ ही, शांत और सौम्य हवाओं वाली भूमि मिजोरम की राजधानी आइजोल अब राष्ट्रीय रेल ग्रिड से जुड़ गई है।

इस प्रोजेक्ट को पूरा करना आसान नहीं था। दुर्गम स्थलाकृति, भूस्खलन और कठिन मॉनसून जैसी परिस्थितियों ने रेलवे की सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग क्षमता की परीक्षा ली।

नई रेल लाइन मिजोरम के लोगों के जीवन को बदलने जा रही है। अब तक पहाड़ी भू-भाग के कारण आवागमन धीमा और कठिन था, जिससे यहाँ वस्तुएँ महँगी मिलती थीं और यात्राएँ लंबा समय लेती थीं। 51.38 कि.मी. लंबी इस लाइन के पूरा होने से कोलासिब जिले से आइजोल जिले तक की यात्रा का समय आधे से भी कम हो जाएगा। इसका अर्थ है कि सस्ती दरों पर आवश्यक वस्तुओं तक पहुँच आसान होगी, रोजगार और व्यापार के नए अवसर खुलेंगे। यह रेल लाइन उद्यमियों के लिए बड़े बाजारों तक पहुँच के नए रास्ते खोलेगी। आइजोल के लोग अब देश के प्रमुख शहरों तक सुगमता पूर्वक पहुंच सकेंगे। एवं त्योहारों पर उन्हें अपने घर आने-जाने में सुगमता होगी।

प्रकृति और संस्कृति का कॉरिडोर

यह रेल लाइन केवल परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि मिजोरम में

विकास और संपर्क के नए दौर का नया अध्याय है। व्यापार और उद्योग के लिए भी यह रेल लाइन मददगार साबित होगी। यहाँ की हरियाली, घाटियाँ और पहाड़ियां दुनिया भर के सैलानियों को आकर्षित करेंगी। यहाँ की प्राकृतिक समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, आत्मीय आतिथ्य और जीवंत परंपराओं से जुड़ने का अवसर सैलानियों को मिलेगा।

मिजोरम की खूबसूरती इसके प्राकृतिक दृश्यों में निहित है- घने जंगल, लहरदार पहाड़, मनमोहक घाटियाँ और स्वच्छ जलधाराएँ व झरने। यही कारण है कि इसे लैंड ऑफ द हाईलैंडर्स और लैंड ऑफ द ब्लू माउंटेन्स कहा जाता है। यह राज्य एक इकोलॉजिकल हॉटस्पॉट है, जहाँ अनोखी वनस्पतियाँ और जीव पाए जाते हैं। यहाँ की आदिवासी संस्कृति अपने संगीत, नृत्य और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही, मिजोरम अब एडवेंचर पर्यटन का उभरता हुआ गंतव्य भी बन रहा है। अगस्त 2025 में मिजोरम सरकार और इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) के बीच इस रेल संपर्क के पर्यटन-संभावनाओं को साकार करने के लिए दो वर्ष का समझौता हुआ। इसमें पर्यटन पैकेजों को राज्य की पर्यटन अवसंरचना से जोड़ने पर बल दिया गया है। आईआरसीटीसी ने 'डिस्कवर नॉर्थ ईस्ट बियोंड गुवाहाटी' पहल के तहत विशेष पर्यटक ट्रेनों का संचालन करने की योजना बनाई है, ताकि किफायती, सतत और पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन मॉडल विकसित किया जा सके।

जियो स्ट्रेटजिक ब्रिज

मिजोरम राज्य बांग्लादेश और म्यांमार, दोनों की सीमाओं को साझा करता है। यही कारण है कि यह भारत की लुक ईस्ट पॉलिसी और नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी का केंद्र बिंदु है। रेल संपर्क का अर्थ है कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों तरह का व्यापार तेजी से बढ़ेगा। नियोजित रेल और सड़क नेटवर्क का विस्तार मिजोरम को भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच एक प्रमुख परिवहन केंद्र बना सकता है। यह विशेष रूप से वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य में महत्त्वपूर्ण है।

परिवर्तन की लहर

आर्थिक और लॉजिस्टिक दृष्टि से हटकर देखें, तो आइजोल में रेल लाइन एक भावनात्मक जुड़ाव की उपलब्धि भी है। मिजोरम के लोगों के लिए यह इस बात की पुष्टि है कि वे देश का अहम हिस्सा हैं और भारत की आकांक्षाओं के केंद्र में हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटन की जाने वाली इस नई रेल कनेक्टिविटी के साथ, मिजोरम केवल एक रेलवे परियोजना के पूर्ण होने का अवसर ही नहीं, बल्कि एक लंबे समय से संजोए गए सपने के साकार होने का उत्सव मना रहा है। यह इस सच्चाई का प्रमाण है कि कोई भी भू-भाग इतना कठिन नहीं है और कोई भी लक्ष्य इतना बड़ा नहीं है कि समर्पण और दृढ़संकल्प के साथ हासिल न किया जा सके।

अतिवृष्टि से खुल गई देश के विकास की तस्वीर की पोल

देश के विकास की असली तस्वीर इस बार मानसून में दिल्ली में देखने को मिली है। देश की राजधानी बारिश और यमुना के जलस्तर बढ? से हाल-बेहाल हो गई। राजधानी की जिंदगी पर ब्रेक लग गया। इससे सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि बारिश से देश के अन्य राज्य कितने हाल-बेहाल होंगे। यह समस्या नई नहीं है। देश में हर साल मानसून के दौरान लगभग सभी राज्यों में यही हाल होता है। विकास का वादा और दावा करने वाली सरकारें और राजनीतिक दल सिर्फ हवाई किले बना कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेते हैं। इसमें कोई भी दल पीछे नहीं हैं। ऐसे मौकों पर नेता गिरगिट की तरह रंग बदलने लगते हैं और जिम्मेदारी को पूववर्ती सरकारों के पाले में डाल कर बरी हो जाते हैं। बाढ़ और उसके जैसे हालात से साबित हो गया है कि नेताओं को देश के आम लोगों की जिन्दगी और मौत की फिक्र नहीं है। यह हालत हुई है देश में वोट बैंक की राजनीतिक के कारण। इसके कारण अतिक्रमण और प्रकृति से छेड़छाड़ की कीमत हर साल चुकानी पड़ रही है। यह समस्या विकराल होती जा रही है।

दिल्ली में यमुना नदी की बाढ़ एक पुरानी समस्या है, जो हर मॉनसून में तबाही मचा देती है। सितंबर के पहले हफ्ते में भारी बारिश और हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड? से यमुना का जलस्तर खतरे के पार चला गया। पुरानी दिल्ली रेलवे ब्रिज पर 205 मीटर (खतरे का स्तर) पार कर 207.48 मीटर तक पहुंच गया। इससे 10,000 से ज्यादा लोग बेघर हो गए। मयूर विहार, यमुना बाजार, मजनू का टीला जैसे इलाके डूब गए, ट्रैफिक जाम लग गया। पुराने रिकॉर्ड्स के अनुसार, 1956 से पहले यमुना हर साल ट्रांस-यमुना इलाकों को डुबो देती थी। 1978 में सबसे भयानक बाढ़ आई, जब जलस्तर 207.49 मीटर पहुंचा और अलीपुर ब्लॉक, मॉडल टाउन जैसे इलाके डूब गए। इसमें 18 मौतें, 10 करोड़ का नुकसान। उसके बाद 1988, 1995, 1998 में हाई फ्लड्स आए, लेकिन इम्बैंकमेंट (बांध) बनने के बाद भी समस्या बनी रही। 1956 से पहले ऐसा कम होता था, लेकिन अब इम्बैंकमेंट ने जगह कम कर दी। वर्ष 2023 में फ्लडप्लेन अतिक्रमण मुख्य वजह था। नदी का पानी सोखने की क्षमता खत्म हो गई। मलबा डालने से बेड ऊंचा हो गया। यमुना में गाद जमा हो गई और नदी उथली हो गई। दिल्ली सरकार और दिल्ली विकास प्राधिकरण अतिक्रमण रोकने में नाकाम रहे। लोगों और बिल्डर्स ने फ्लडप्लेन पर अवैध कॉलोनियां बना ली। साल 2023 के बाद भी फ्लडप्लेन पर निर्माण (रिवरफ्रंट प्रोजेक्ट) ड्रेन क्लीनिंग और डिसिल्टिंग का इंतजाम नहीं किया गया। केंद्र सरकार (जल शक्ति मंत्रालय) बैराज ऑपरेशन में समन्वय की कमी बाढ़ की हालात का बड़ा कारण रहा।

देश में बाढ़ के हालात को लेकर सरकारें नींद में गाफिल हैं। सुप्रीम कोर्ट सरकारों को जगाने का प्रयास कर रहा है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड समेत उत्तर भारत के कई राज्य बीते कुछ दिनों से बाढ़ की चपेट में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर भारत के बाढ़ प्रभावित राज्यों में अवैध पेड़ कटाई के प्रथम दृष्टया प्रमाण पर चिंता जताई है। कोर्ट ने पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की सरकारों को तीन सप्ताह में जवाब देने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान कहा सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह ऊपरी पहाड़ी इलाकों में बड़े पैमाने पर पेड़ों की अवैध कटाई का संकेत है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और के विनोद चंद्रन की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वे संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर इसके कारणों का पता लगाएं। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से उत्तर भारत के कई राज्यों में आसमान से आफत बरस रही है। फ्लैश फ्लड यानी बादल फटने की घटनाओं, भारी बारिश और लैंडस्लाइड जैसी आपदाओं में सैकड़ों जानें गई हैं। ये आफत थमने का नाम नहीं ले रही हैं। भारतीय मौसम विभाग ने चार राज्यों में फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की है। इन राज्यों में उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं। अगस्त 2025 में उत्तर-पश्चिम भारत में 265 मिमी बारिश हुई, जो 2001 के बाद सबसे ज्यादा है। आईएमडी ने सितंबर में 109 प्रतिशत ज्यादा बारिश की चेतावनी दी है। अगस्त 2025 में उत्तर-पश्चिम भारत में वर्ष 2001 के बाद सबसे ज्यादा 265 मिमी बारिश हुई, जो रिकॉर्ड तोड? वाली है।

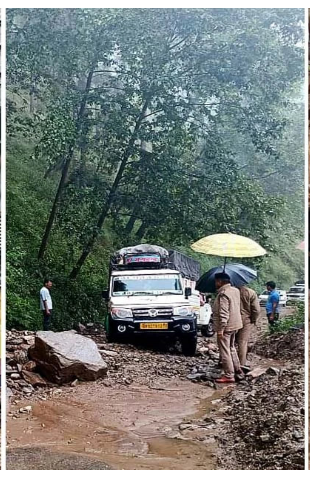

भारतीय मौसम विभाग ने सितंबर 2025 के लिए सामान्य से 109 प्रतिशत ज्यादा बारिश की चेतावनी दी है, जिससे और तबाही का खतरा बढ़ गया है। अतिवृष्टि से हिमाचल प्रदेश में 320 मौतें, 788 सड़कें बंद, 2174 ट्रांसफॉर्मर डैमेज हुए। कुल 23 फ्लैश फ्लड, 19 क्लाउडबर्स्ट, 16 भूस्खलन हुए। उत्तराखंड में धराली, उत्तरकाशी में फ्लैश फ्लड हुआ। जम्मू-कश्मीर में वैष्णो देवी रूट पर भूस्खलन से 30 से अधिक मौतें और 20 लोग घायल हुए। जम्मू में तवी नदी का ब्रिज गिर गया। पंजाब में ब्यास, सतलुज, रावी उफान पर हैं। इससे 3 लाख एकड़ फसल बर्बाद हो चुकी है। पंजाब के 7 जिले बाढ़ग्रस्त हैं।

अतिवृष्टि के मौजूदा हालात के लिए मौसम की मार नहीं बल्कि विकास की गलतियां जिम्मेदार हैं। मौसम पूर्वानुमान बेहतर हो रहा है, लेकिन चेतावनियों पर प्रतिक्रिया न देना बड़ी समस्या है। वेल डिफाइंड सिस्टम (जैसे चक्रवात) पर 2-4 दिन पहले अलर्ट संभव, लेकिन मेजोस्केल सिस्टम (10-100 किमी) में बादल 15 किमी ऊपर बनकर 1 घंटे में भारी बारिश कर देता है। रडार-सैटेलाइट से पता चलने पर सिर्फ 10-15 मिनट मिलते हैं। वक्त रहते चेतावनी के लिए ऑल वेदर कम्युनिकेशन सिस्टम, हैम रेडियो से कम्युनिटी रेडियो, स्थानीय ट्रेनिंग और ज्यादा रडार लगाने पड़ेंगे। बाढ़ जैसी प्राकृतिक कम और मानवजनित ज्यादा जैसी आपदा का प्रमुख कारण देश के विकास मॉडल का प्रकृति से खिलवाड़ करके बनाया जाना है। राजनीतिक दलों को इसकी परवाह नहीं है। दीर्घकालीन नीतियों के बाद अल्पकालीन नीतियों से विनाश हो रहा है। नीतियां बनाते वक्त दूरदर्शिता का इस्तेमाल नहीं किया गया। देश का एक भी राज्य ऐसा नहीं है जहां नदी-नालों के प्राकृतिक स्त्रोतों का अतिक्रमण नहीं किया गया हो। गंगा सहित देश की हर नदी आधुनिक विकास की नाकामियों से उपजे प्रदूषण की मार झेल रही हैं। सरकारी आकंडों में देश में वनों का विकास दर्शाया जाता है। इसके विपरीत जंगलों की कटाई का खेल जारी है।

बर्बादी का यह आलम राजनीतिक दलों की स्वार्थ नीति से उत्पन्न हुआ है। सत्ताधारी दलों ने वोट बैंक की राजनीति में विकास की दौड़ को अंधा बना दिया है। जब कभी अदालतों के आदेश पर अतिक्रमण हटाने के अभियान चलाए जाते हैं, तो नेता बीच में आ जाते हैं। यही वजह है कि देश में एक भी बड़ा शहर अतिक्रमण से अछूता नहीं रहा है। अतिक्रमियों ने नदियों, जंगल बल्कि पहाड़ों तक को नहीं छोड़ा है। देश के प्राकृतिक संसाधनों पर दोहरी मार पड़ रही है। एक तरफ अतिक्रमण और दूसरी तरफ अतिदोहन का सिलसिला थम नहीं रहा है। इसके अलावा शहरों के अनियोजित विकास ने हालत करेला और नीम चढ़ा जैसी कर दी है। आश्चर्य यह है कि इतना विनाश हर साल होने के बावजूद नेताओं की नींद नहीं खुल रही है। वोट बैंक के लिए बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से जान-माल का होने वाला नुकसान अभी भी राजनीतिक दलों के एजेंडे से बाहर है। राजनीतिक दलों को शायद समझ तभी आएगी, जब देश के आम लोग सड़कों पर उतर कर विरोध करेंगे।

एनएफआईआर महासचिव को ट्रेन मैनेजरों ने ज्ञापन सौंपा

नई दिल्ली। अधिवेशन में महासचिव डॉ. राघवैया ने एन एफ आई आर के 31वे अधिवेशन को सम्बोधित करते हुए कहा कि रेलवे मे लोको पायलट एवं गाड़ी प्रबंधक भारतीय रेलवे की सुरक्षा और संचालन व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है इन्हें रेलवे संरक्षा का पद घोषित कर वेतन भत्तों में सुधार करते हुए कार्य स्थिति में भी सुधार की आवश्यकता है महासचिव ने मंच से भरोसा दिलाया कि 8वें वेतन आयोग के समक्ष मजबूती के साथ उठाया जायेगा आपका कार्य कठिन से कठिन परिस्थितियों में यात्री सेवा करना है में 8वें वेतन आयोग और एनसी-जेसीएम समिति में आप सभी कार्यकर्ताओं की आवाज गूंजेगी

हर 15 मिनट में एक जीवन बचाने वाले ट्रेन मैनेजरों की ऐतिहासिक मांगें एनएफआईआर के मंच से हुईं प्रेषित

भारतीय रेलवे की सुरक्षा और संचालन व्यवस्था की रीढ़, प्रतिष्ठित ट्रेन मैनेजरों ने राजधानी में आयोजित एनएफआईआर (नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन) के 31वें राष्ट्रीय अधिवेशन में एक महत्वपूर्ण ज्ञापन एनएफआईआर के महासचिव डॉ. एम. राघवैया को सौंपा। इस ऐतिहासिक ज्ञापन में 'ट्रेन मैनेजर' को 'रेल की धड़कन' कहा गया है और इन्हें रेलवे संरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण पद घोषित करने के साथ-साथ वेतन, भत्ते और कार्य स्थितियों में सुधार की ठोस मांग की गई है। इस अवसर पर डॉ. राघवैया ने सार्वजनिक मंच से संकल्प लिया कि ट्रेन मैनेजरों को भी संकल्प लेकर सभी जोनल मे यूनियन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करना चाहिए आप सभी की समास्याओं का समाधान करना हमारा कर्तव्य है केवल एक जुटता के साथ रहिए

दुर्घटना रोकने में ट्रेन मैनेजरों की भूमिका

ज्ञापन में उल्लेखित है कि ट्रेन मैनेजर अपनी सतर्कता, सूझबूझ और साहस के बल पर प्रतिदिन लगभग 100 दुर्घटनाओं को टालते हैं तथा औसतन हर 15 मिनट में एक जान बचाते हैं। यही नहीं, उनका रोल इतनी व्यापक और जोखिमपूर्ण है कि प्रतिदिन रेलवे की विश्वसनीयता और यात्रियों के विश्वास का आधार इन्हीं की जिम्मेदारी बन जाती है।ङ

ज्ञापन में उन गुमनाम नायकों को श्रद्धांजलि दी गई है जिनमें श्री कमलकांत जी (बरौनी मुख्यालय), श्री देवेंद्र कुमार (झांसी), श्री प्रताप ठाकुर (धरखोह) जैसे कई ट्रेन मैनेजर शामिल हैं, जिन्होंने ड्यूटी के दौरान प्राण गंवाए या गंभीर चोटों का सामना किया। इनके अलावा अनेकों उदाहरण–श्री राजू सरकार द्वारा ट्रैक पर बाधा पहचानकर दुर्घटना टालना, एम.एस. जोशी द्वारा समय पर आग बुझाकर लोगों की रक्षा करना, संजीव कुमार द्वारा घायल यात्री की जान बचाना–यह दर्शाते हैं कि ट्रेन

मैनेजर न केवल निगरानीकर्ता हैं, बल्कि आपदा के समय उद्धारकर्ता भी बन जाते हैं।

दुर्घटना स्थल के प्रथम प्रभारी

रेलवे यात्री अनिष्टकारी घटना जांच नियम 2020 के अनुसार, दुर्घटना की स्थिति में ट्रेन मैनेजर ही सबसे पहले घटनास्थल के प्रभारी होते हैं। वह गोल्डन ऑवर (पहले 60 मिनट) में सुरक्षा उपाय (डेटोनेटर, डेंजर सिग्नल), कंट्रोल को सूचनाएँ (एसीसी-3), प्राथमिक चिकित्सा, निकासी व्यवस्था, सुरागों का संरक्षण व कानूनी दस्तावेज़ी करण करते हैं। इनके प्रशिक्षित निर्णय से ही हादसे का असर कम या नियंत्रण में आ सकता है।

24×7 चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी और व्यापक ज्ञान

ट्रेन मैनेजर कठिनतम स्थितियों में–जंगल, कड़ी ठंड/गर्मी, बारिश, और तकनीकी बाधाओं के बीच–अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। उनका प्रशिक्षण 45 दिनों का गहन कार्यक्रम है जिसमें जीआर, एसआर, वर्किंग टाइम टेबल, एक्सिडेंट मैनुअल, ऑपरेटिंग मैन्युअल, ब्रेक पावर सर्टिफिकेट से लेकर प्राथमिक चिकित्सा, आपदा प्रबंधन और 14द्द विभागीय कार्यों की व्यावहारिक जानकारी दी जाती है।

मुख्य माँगें प्रारंभिक ग्रेड पे 4600 (लेवल-7) किया जाए

सुरक्षा भत्ते की शुरुआत हो। माइलेज दर भत्ता 25इ बढ़ाया जाए। रनिंग एलिमेंट 30इ से 35इ तक किया जाए। यूनिफॉर्म भत्ता ?20,000 सभी ट्रेन मैनेजरों को मिले एमएसीपी का उचित और समयबद्ध क्रियान्वयन हो। नाइट ड्यूटी भत्ता पर कैप हटाया जाए। वैज्ञानिक तथ्य भी बने ज्ञापन का आधार ज्ञापन में अनुसंधान और चिकित्सकीय तथ्यों के आधार पर बताया गया कि ट्रेन मैनेजरों की ड्यूटी उनसे नींद, पारिवारिक जीवन, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का बड़ा बलिदान मांगती है–सर्कैडियन रिदम डिसऑर्डर, हाइपरटेंशन (24इ अधिक), क्रॉनिक फटीग, अवसाद, और 75इ समय परिवार से अलग रहने जैसी गंभीर चुनौतियाँ आम हैं।

'भोलू' के रूप में सम्मान, सुविधाओं में उपेक्षा

संयोग से भारतीय रेलवे ने गार्ड/ट्रेन मैनेजर को ही 'भोलू' के रूप में रेल का मास्कॉट बनाया है; यह प्रतिष्ठा कार्य-संस्कृति और वेतनमान में झलकनी चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जर्मनी, ब्रिटेन, जापान जैसे देशों में ट्रेन ऑपरेशनल मैनेजर को उच्च वेतन और सम्मान प्राप्त है, भारत को भी वैश्विक मानकों के अनुसार वेतन-भत्तों की समीक्षा करना चाहिए।

एनएफआईआर महासचिव का संकल्प

ज्ञापन लेते हुए एनएफआईआर महासचिव डॉ. एम. राघवैया ने मंच से वचनबद्ध किया कि ट्रेन मैनेजरों की सभी माँगों को न सिर्फ आने वाले एनसी-जेसीएम समिति की बैठक, बल्कि 8वें वेतन आयोग के सदस्यों के समक्ष पूरी मजबूती, तथ्य और उदाहरणों के साथ रखने का दायित्व वे व्यक्तिगत रूप से निभाएंगे। उन्होंने कहा, 'यह अब सम्मान की लड़ाई है, ट्रेन मैनेजर को उसका हक और सामाजिक/आर्थिक न्याय दिलाना एनएफआईआर की प्राथमिकता है।'

निष्कर्ष

एनएफआईआर अधिवेशन से देश भर में गूंज गया संदेश साफ है–जब तक 'रेल की धड़कन' स्वस्थ, सशक्त और सम्मानित नहीं होगी, तब तक भारतीय रेलवे की सुरक्षा और गुणवत्ता अधूरी है। अब वक्त है कि 8वें वेतन आयोग में इन नायकों की आवाज़–जो हर सुरक्षित यात्रा के पीछे अदृश्य प्रहरी हैं–को अधिकार और राष्ट्रीय सम्मान मिले।

'हर सुरक्षित यात्रा के पीछे एक जोखिम भरी जिंदगी'ष्ठ आज यह संदेश ट्रेन मैनेजरों के ज्ञापन और एनएफआईआर के मंच से राष्ट्र को मिला है, और जल्द ही यह गलियारों से निकलकर नीतियों में परिवर्तन लाएगा।

Representation ऑल इंडिया ट्रेन मैनेजर ग्रुप की तरफ से राकेश श्रीवास, रोमेश चौबे, राजीव वर्मा, रुस्तम पांडा, सी.एस.सिंह, श्रीजेश अची, विनय कुमार, दिनेश कुमार, मुन्ना मंडल, एसएन सहगल, दीपक पाराशर, एन.के सिन और 400 से अधिक ट्रेन प्रबंधक ने ज्ञापन दिया...

यूरिया वितरण में मची अफरातफरी, मायूस हो लौटे किसान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। विकास खंड उरुवा के रामनगर साधन सहकारी समिति में बुधवार को यूरिया खाद का वितरण किया गया। खाद वितरण शुरू होने से पहले ही किसानों की भारी भीड़ उमड़ गई। स्थिति को संभालने के लिए समिति सचिव जय कुमार तिवारी ने रामनगर चौकी प्रभारी अभिनव उपाध्याय से मदद मांगी। चौकी प्रभारी ने तुरंत दो सिपाहियों को भेजकर किसानों को लाइन में लगवाया और शाम तक वितरण कराया। शाम तक करीब 4 सौ बोरी खाद का वितरण हुआ। किसानों ने बताया कि आधार और खतौनी दिखाने पर ही एक या दो बोरी खाद दी गई। जिन किसानों के नाम पर खतौनी नहीं थी, उन्हें खाद नहीं मिल पाई।

वहीं जिनके पास अधिक भूमि थी, सीमित स्टॉक और सख्त नियम के चलते उन्हें भी केवल दो बोरी खाद से ही संतोष करना पड़ा। कई किसान खाद के बिना ही लौटने को मजबूर हुए, क्योंकि उनकी जमीन उनके नाम पर नहीं थी और वे बटाई पर खेती कर रहे थे। मायूस किसानों का कहना है कि अब उन्हें प्राइवेट दुकानों से ही खाद लेनी पड़ेगी, जहां दुकानदार मनमानी कीमत वसूलते हैं और खाद के साथ जिंक या सल्फर का पैकेट भी थमा देते हैं। जिससे किसानों की जेब ढीली हो रही है और दुकानदारों की चांदी कट रही है।

घर में घुसकर पीटा, मुकदमा दर्ज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम रोझियात निवासी देवकी देवी पत्नी जगरूप भारतीय का आरोप है कि पड़ोसी मामूली कहासुनी पर शराब पीकर घर में घुस आए। लाठियों से मारे पीटे और जान से मारने की धमकी दिए। देवकी देवी ने मऊआइमा थाने में सांवरी देवी और विनोद कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया

महाराजा से कैसे संन्यासी बने भर्तृहरि नाटक में जीवन वृतांत का सजीव मंचन

महाराजा भर्तहरि' की प्रस्तुति, तालियों से गूंजा सभागार'

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय नौटंकी समारोह के तीसरे दिन विजय बहादुर श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित नौटंकी महाराजा भर्तहरि का मंचन बुधवार को सांस्कृतिक केंद्र प्रेक्षागृह में हुआ। दर्शकों के तालियों के बीच नौटंकी शुरु होती है, जिसे देखने देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। भर्तृहरि नाटक के दृश्य को देखकर लोग भाव विभोर हुए, तो कई बार हंस-हंस कर लोटपोट भी हुए। नाटक में दिखाया गया है कि वेश्या चम्पा का देशभक्ति तथा निःस्वार्थ प्रेम देखकर किस तरह राजा का हृदय परिवर्तित हो जाता है। चम्पा को कोई इज़्ज़त नहीं देता, पर उसके मन में देश, राजा और जनता के

लिए असीम प्रेम है। अपने प्रेमी से मिला अमरफल वह राजा भरथरी तक पहुँचाती है ताकि राजा अमर रहे, राज चलता रहे और जनता सुख-शांति में रहे। जब राजा उस फल को देखता है तो हैरान रह जाता है। उसे समझ आता है कि रानी पिंगला का प्यार असली नहीं, सिर्फ दिखावा है और दरोगा समर सिंह की चालें सिर्फ स्वार्थ से भरी हैं। वहीं चम्पा जैसी तिरस्कृत औरत का दिल कितना साफ और निःस्वार्थ है। इससे राजा का मन बदलता है, वह अपने भाई विक्रम के पास लौटता है। पछताकर राजपाट छोड़ देता है और बाबा गोरखनाथ की शरण में चला जाता है। राजा हार नहीं मानता है, तप करके महान बनता है। उसका भाई विक्रम भी साधना में श्रेष्ठ बनता है। राजा अपने अनुभवों को संस्कृत श्लोकों में लिखता है और बताता है कि जीवन का असली उद्देश्य कल्याण, सेवा और देशहित है। इसके साथ ही नाटक का समापन हो गया। हारमोनियम पर गरीब चन्द्र, नक्कारा पर राजाराम, ढोलक पर अरविंद और मंजीरा पर प्रेमचंद्र ने साथ दिया। सभी कलाकारों ने अपने उम्दा अभिनय से दर्शकों से खूब तालियां बटोरी। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने सभी कलाकारों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर केंद्र के समस्त अधिकारी, कर्मचारी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संजय पुरषार्थी ने किया।

स्मृति शेष सिंगारी देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।श्रीराम कथा में बताया मातृ शक्ति की महत्ता

मंत्र भारत संवाददाता

फूलपुर। क्षेत्र के मलिकपुर नोनरा गांव में श्रीराम कथा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शंकराचार्य पं. मदन मोहन मिश्र ने मातृ शक्ति की महत्ता को विधिवत समझाया। सरस श्रीराम कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में भक्तजनों ने कथा का रसपान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार राघवेन्द्र दुबे भाऊ ने स्मृति शेष सिंगारी देवी को याद किया। इफको आल इंडिया अधिकारी संघ के पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र तिवारी ने कहा कि मातृ शक्ति के ज्ञान को जीवन में सादगी, प्रेम और सेवाभाव की मिसाल है। उन्होंने निःस्वार्थ भाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए परिवार को एकजुट रखा। वे जीवन भर अपने आस-पास के सभी लोगों को अपने अपनत्व में बांधे रहीं । कार्यक्रम का संचालन इंदु शेखर ने किया। इस अवसर पर उत्पल राय, सुरेन्द्र तिवारी , अनुराग तिवारी, संजय पांडेय, आर के पाठक, मनोज त्रिपाठी, यसपी सिंह, जे पी मिश्र सहित सैकड़ों लोगों ने स्मृति शेष सिंगारी देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

गेट वेल नाउ सेंटर ऑफ प्राणिक हीलिंग द्वारा योग विद्या प्राणिक हीलिंग फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा कार्यशाला आयोजित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। 'उच्च आत्मा के साथ एकता प्राप्त करना' प्राणिक हीलिंग कार्यशाला का आयोजन प्रयागराज के गेट वेल नाउ सेंटर ऑफ प्राणिक हीलिंग द्वारा योग विद्या प्राणिक हीलिंग फाउंडेशन ट्रस्ट वाराणसी के सहयोग से हाल ही में किया गया। इस जानकारी को साझा करते हुए प्रसिद्ध प्राणिक हीलिंग प्रशिक्षक श्रीमती राखी गुप्ता, प्रयागराज केंद्र की मुख्य समन्वयक ने कहा कि इस कार्यशाला में तीस प्रतिभागियो ने भाग लिया जिसमें कोलकाता से आए प्रसिद्ध प्रशिक्षक नेहा जैन मुख्य वक्ता थीं। इस अवसर पर श्रीमती जैन ने कहा कि उच्च आत्मा ईश्वर की दिव्यता का बीज है जो हम सभी में मौजूद है। उच्च आत्मा के माध्यम से, हम ईश्वर के स्वरूप में बने हैं! हमारी उच्च आत्मा के साथ एकता को प्राप्त करके, हम 'मैं हूँ', क्राइस्ट, बुद्ध, शिव, कृष्ण की प्रकृति के साथ एक हो जाते हैं, जो हम सभी में है। उन्होंने कहा कि उच्च आत्मा के साथ एकता प्राप्त करने का पाठ्यक्रम हमें अपने असली स्व, हमारी उच्च आत्मा और दिव्यता की सच्ची प्रकृति भी सिखाता है। हमारे भीतर, और उनके साथ एकजुट होने का तरीका।

इस पाठ्यक्रम में कई गूढ़ रहस्य पहली बार उजागर होते हैं। इस घटना को 'आत्म-प्राप्ति', 'प्रबोधन' या 'स्वयं-प्राप्ति' के रूप में जाना जाता है। आत्म-प्राप्ति के विभिन्न चरणों की विस्तृत जानकारी साझा करना। आत्म-प्राप्ति का पहला चरण इस बौद्धिक समझ के साथ शुरू होता है कि आप आत्मा हैं, दिव्य बुद्धि, प्रेम और शक्ति का आध्यात्मिक प्राणी। आप शारीरिक शरीर नहीं हैं, न ही विचार हैं और न ही भावनाएँ और न ही मन। आत्म-प्राप्ति का दूसरा चरण ध्यान के दौरान आत्मा के रूप में अपने आप का अनुभव करना है। योगी या ध्यान करने वाला यह अनुभव कर सकता है कि वह शारीरिक शरीर को महसूस नहीं कर पा रहा है, जैसे वह गायब हो गया हो। आत्म-प्राप्ति का तीसरा चरण अवतारी आत्मा (जो आप हैं) का उच्च आत्मा के साथ मिलन का अनुभव है और यह महसूस करना कि आपकी और आपकी उच्च आत्मा के बीच कोई अलगाव नहीं है।

कार्यशाला की समन्वयक श्रीमती राखी गुप्ता ने प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस पाठ्यक्रम में किसी को दिव्य स्पार्क या परमात्मा के साथ एकता का अनुभव हो सकता है। इसे भगवान-ज्ञान कहा जाता है। अवतरित और उच्च आत्माएँ दिव्य स्पार्क के साथ, भगवान के साथ, और सभी के साथ एकता का अनुभव करती हैं। योगी सच में यह कह सकता है, 'मैं और मेरा पिता एक हैं!' वह वास्तव में एक दिव्य अवतार है। उच्च आत्मा की एकता हासिल करने के कोर्स में, आध्यात्मिक साधक दो शक्तिशाली ध्यान सीखेंगे, शांति और ज्ञान के लिए ट्विन हृदय ध्यान और उच्च आत्मा के ऊपर ध्यान। और जब इन दोनों ध्यानों को मिलाया जाएगा, तो आध्यात्मिक साधक दिव्य आनंद, प्रेम और प्रकाश का अनुभव करेगा और यह कुछ वर्षों में तेसे आध्यात्मिक विकास की ओर ले जाएगा, न कि कई जन्मों में। उच्च आत्मा के साथ एकता को हासिल करने के कोर्स में कवर किए गए कुछ विषय हैं जैसे मैं कौन हूँ। मैं कहाँ से आया हूँ? मेरी आत्मा मेरे शरीर में कहाँ स्थित है? मेरे मरने पर मेरी आत्मा कहाँ जाएगी। मैं क्यों जन्मा हूँ और मेरे जीवन का उद्देश्य क्या है? 12वें चक्र का सटीक स्थान और इसके ऊंचे आत्मा के साथ एकता प्राप्त करने के पाठ्यक्रम में कवर किए गए कुछ विषय जैसे कि मैं कौन हूँ। मैं कहाँ से आया हूँ? मेरी आत्मा मेरे शरीर में कहाँ स्थित है? मेरी आत्मा मृत्यु के बाद कहाँ जाएगी? मैं क्यों जन्म लेता हूँ और मेरे जीवन का उद्देश्य क्या है? 12वें चक्र का सटीक स्थान और इसका कार्य प्रकट किया जाएगा। 3 चांदी की रस्सियों, आंतरिक कैंड्यूसे और यह कैसे कुंडलिनी शक्ति को सुरक्षित रूप से जगाने से संबंधित है, इसके पीछे के रहस्यों को भी प्रकट किया जाएगा, उन्होंने जोड़ा। आशीष सिंह, प्रतिष्ठा सहाय, कुसुम जायसवाल, अनुभव दत्ता और अन्य ने कार्यशाला को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रेलवे ट्रैक पर बुजुर्ग का शव मिलने पर सनसनी

प्रयागराज। क्षेत्र के तुलापुर यूसुफपुर गांव के समीप रेलवे लाइन पर मंगलवार रात ट्रेन से कटकर एक बुजुर्ग की दर्दनाक मौत हो गई। सुबह गांव के लोगों ने देखा तो घटना की सूचना सोरांव पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराने का प्रयास किया परन्तु पहचान नहीं हो पाई। घटना को लेकर इलाके में सनसनी फैल गई। सोरांव थाना क्षेत्र के यूसुफपुर मजरा तुलापुर गांव के समीप रेलवे ट्रैक पर 60 वर्षीय बुजुर्ग का शव गांव के लोगों ने देखते ही पुलिस को सूचना दिया। प्रभारी निरीक्षक केशव वर्मा ने बताया कि बुजुर्ग के शरीर पर खून जमा हुआ था, जिससे कयास लगाया जा रहा है कि घटना मंगलवार रात की हो सकती है।

ट्रेन से युवती का बैग छीन भागा बदमाश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एनसीआर की सबसे वीआईपी ट्रेन प्रयागराज एक्सप्रेस में एक महिला यात्री का बैग छीनकर युवक भाग निकला। देवघाट, झलवा निवासी स्मृति यादव ने प्रयागराज जीआरपी थाने में लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस को बताया कि उसका स्लीपर बोगी में आरक्षित टिकट था। सात सितंबर को जैसे ही ट्रेन नई दिल्ली से चली अचानक से एक युवक पहुंचा और उसका बैग छीनकर भाग निकला। बैग में मोबाइल समेत अन्य कीमती सामान था। पुलिस का कहना है कि घटना स्थल के आधार पर विवेचना नई दिल्ली ट्रांसफर कर दी गई है। हैरानी की बात ये है कि सबसे वीआईपी ट्रेन में जीआरपी की स्कॉट चलती है। बावजूद इसके इस ट्रेन में छिनैती की घटना हुई है।

तिरंगा फाड़ने की निन्दा, दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाई हो

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारत भाग्य विधाता कोर ग्रुप की बैठक आज न्यायमूर्ति सुधीर नारायण की अध्यक्षता में हुई। बैठक में एक प्रस्ताव पास करके शहीदवॉल पर स्मार्ट जोन में लगे तिरंगे राष्ट्र ध्वज के चित्र को फाड़ने की घोर निन्दा की गयी। साथ ही पुलिस से दोषी लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह के अपमान का मुकदमा दर्ज किये जाने की मांग की गयी।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि यह गलत परम्परा होगी। जब राष्ट्र के प्रतीक चिन्ह तिरंगे को फाड़ दिया जाय और हम चुपचाप बैठे रहे। तिरंगे का अपमान नही सहेगा हिन्दुस्तान ।

वक्ताओं ने कहा कि शहीदवॉल पर राष्ट प्रथम की सोच रखकर कार्य होता है। किन्तु कुछ स्वार्थी और जातिवादी ताकतें पिछले कुछ दिनों से अपना हित साधने के लिए देश और शहीदों का अपमान कर रहे हैं। इसी कड़ी में कल 9 अगस्त को उन्होने स्मार्ट जोन में लगे तिरंगे झण्डे के चित्र को सार्वजनिक रूप से फाड़ कर उसका अपमान किया है। ऐसी दशा में जांच कर दोषी लोगों के खिलाफ कायवाई होनी चाहिए जिनके मन में राष्ठ के प्रतीक चिन्ह तिरंगे के प्रति सम्मान न हो। बैठक में निन्दा प्रस्ताव वीरेन्द्र पाठक संस्थापक शहीदवॉल ने रखा। संचालन डा प्रमोद शुक्ल ने किया तथा आशुतोष सण्ड पूर्व जीए सहित डा श्रवण कुमार मिश्र, सुनीता मिश्र जगत नारायण तिवारी प्रमुख रूप से निन्दा करते हुए दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

अतिथि स्वागत को लेकर कार्यकर्ताओं में हर्ष व अतिउत्साह, अतिथि देवो भवः - रेशमा श्रीवास्तव

प्रयागराज/जौनपुर। वन एवं पर्यावरण समिति सदस्य जौनपुर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नामित श्रीमती रेशमा श्रीवास्तव ने पत्रकारवार्ता में बड़े ही हर्ष से कहा कि देश के लोकप्रिय वाराणसी के सांसद माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का विकास, सुरक्षा, रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा एवं मजबूत वैश्विक व्यवस्था को लेकर जो भी कार्य किए जा रहे हैं हम सभी जनमानस उनके हृदय से

आभारी हैं ।

आज माननीय प्रधानमंत्री के वाराणसी दौरे पर मॉरीशस के माननीय प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम अतिथि के रूप में हमारे जनपद में आ रहे हैं जिसे लेकर हम सभी कार्यकर्ता हर्षित व अतिउत्साहित हैं । आगे रेशमा ने कहा कि अतिथि का आगमन हम अपने संस्कृति के उस परमपावन श्लोक को चरित्रार्थ करते हैं अतिथि देवो भवः जो विश्व में आज भी प्रासंगिक है । पत्रकारवार्ता में मुख्य रूप से आयुष अस्थाना नगर अध्यक्ष युवा मोर्चा, ललित श्रीवास्तव, शुभम अस्थाना, अमित श्रीवास्तव नगर अध्यक्ष भाजपा, प्रिंस मौर्या, शौर्य प्रताप सिंह, अर्चना श्रीवास्तव, सुमन अस्थाना, विमला श्रीवास्तव, तूलिका श्रीवास्तव, आँचल मौर्या, अमन अस्थाना, अदिति श्रीवास्तव, अक्षिता श्रीवास्तव, कार्तिकेय श्रीवास्तव, अदिति वर्मा आदि कार्यकर्तागण उपस्थित रहे ।

तीर्थयात्रियों से भरी बस से दबकर दो युवकों की मौत, चक्काजाम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आंधी लक्षन चौकठा गांव के समीप बुधवार को सुबह तीर्थयात्रियों से भरी बस की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। बस में फंसी बाइक लगभग सौ मीटर तक घिसटती चली गई। ग्रामीणों ने दौड़ाकर बस चालक को पकड़ा। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग पर चक्काजाम कर दिया। लगभग दो घंटे तक आवागमन ठप रहा। पुलिस ने किसी तरह समझाकर यातायात बहाल कराया। पुलिस बस चालक को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई में जुटी है। महिगड़ा गांव निवासी 37 वर्षीय अमर सिंह पटेल अपने साथी 35 वर्षीय उमाकांत पटेल के साथ बाइक से लौट रहे थे।

आंधी गांव के समीप प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग किनारे सुबह लगभग पौने नौ बजे बाइक खड़ी कर दोनों बात कर रहे थे। इसी दौरान मिर्जापुर की ओर से तेज रफ्तार से आ रही टूरिस्ट बस दोनों युवकों को कुचल दिया। ग्रामीणों ने शोर मचाते हुए बस चालक को पकड़ लिया। घटना की जानकारी होते ही मृतकों के परिजन भी रोते-बिलखते पहुंच गए। ग्रामीणों के चक्काजाम से लगभग दो घंटे तक मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। घटनास्थल पर एसडीएम मेजा सुरेंद्र प्रताप यादव व एसीपी संत प्रसाद उपाध्याय ने उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन और मृत अमर के भाई दिवाकर सिंह पटेल की तहरीर पर मांडा थाने में बस चालक के खिलाफ दर्ज एफआईआर की प्रति प्रदान कर चक्काजाम समाप्त कराया।

झाड़-फूंक के बहाने महिला से दुष्कर्म, केस दर्ज

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र की एक महिला के साथ झाड़-फूंक के बहाने उसके रिश्तेदार ने दुष्कर्म किया। अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता रहा। महिला के विरोध करने पर वीडियो वायरल कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने बुधवार को मुकदमा दर्ज किया। पीड़िता की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक, प्रतापगढ़ का उसका एक रिश्तेदार प्रेत बाधा से निजात दिलाने के लिए एक ओझा को लेकर घर आया था। उस दिन तो वह चला गया, लेकिन एक हफ्ते बाद वह पुनः घर पर अकेले आया। रात में भभूत के नाम पर उसे नशीला पदार्थ खिला दिया। अचेत होने पर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील फोटो खींचने के साथ वीडियो बना लिया। अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर वह उसके साथ मनमानी करता।

भिवंडी के विकास आराखड़े में खामियों पर सवाल, अबू आसिम आज़मी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मंत्रालय में की पहल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी के कल्याण रोड व्यापारी व रहिवाशी संघर्ष समिति और धार्मिक स्थल बचाव समन्वय समिति के ज़िम्मेदार पदाधिकारियों ने विधायक अबू आसिम आज़मी के नेतृत्व में मंत्रालय पहुँचकर नगर विकास विभाग के मुख्य सचिव असीम कुमार गुप्ता से मुलाक़ात की। बैठक में भिवंडी-निज़ामपुर शहर महानगरपालिका द्वारा तैयार किए गए प्रारूप विकास आराखड़े की खामियों पर विस्तार से चर्चा हुई। समिति ने मुख्य सचिव को अवगत कराया कि राज्य सरकार ने राजीव गांधी चौक से टेमघर मार्ग तक धार्मिक स्थलों और हज़ारों नागरिकों को बेघर व बेरोज़गार होने से बचाने के लिए 1700 करोड़ रुपये की लागत से मेट्रो परियोजना को भूमिगत किया था। मगर नए प्रारूप विकास आराखड़े में उसी मार्ग को शामिल कर नागरिकों के हितों और सरकार की मंशा को ठेस पहुँचाई जा रही है। समिति की ओर से कहा गया कि इस आराखड़े से न केवल धार्मिक स्थलों पर संकट मंडरा रहा है, बल्कि स्थानीय व्यापार और रोज़गार पर भी गंभीर असर पड़ सकता है। मुख्य सचिव असीम कुमार गुप्ता ने प्रतिनिधिमंडल की प्रस्तुति ध्यानपूर्वक सुनी और आश्वासन दिया कि प्रारूप विकास आराखड़े में आवश्यक सुधार किए जाएंगे।

अगस्त माह के लिए महावितरण ने लागू किया नया FAC, बिजली बिलों में होगी बढ़ोतरी

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (महावितरण) ने अगस्त 2025 बिलिंग माह के लिए ईंधन समायोजन शुल्क (FAC) लागू कर दिया है। यह शुल्क राज्यभर के उपभोक्ताओं के आगामी मासिक बिजली बिलों में जोड़ा जाएगा।जुलाई 2025 में उपभोक्ताओं को नकारात्मक FAC दरों का लाभ मिला था, जिससे बिजली बिलों में कमी आई थी। लेकिन इस बार की घोषणा के अनुसार अगस्त माह के लिए FAC दरें सकारात्मक रखी गई हैं, जिसके चलते उपभोक्ताओं के बिजली बिल में थोड़ी वृद्धि होगी।महावितरण द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार, औसतन FAC दर लगभग 30 पैसे प्रति यूनिट निर्धारित की गई है। हालांकि यह दर उपभोक्ता वर्ग और बिजली खपत के स्लैब के आधार पर अलग-अलग हो सकती है।महावितरण ने उपभोक्ताओं को आगाह किया है कि आने वाले बिल जुलाई माह की तुलना में कुछ अधिक होंगे, क्योंकि इनमें ईंधन लागत से जुड़ा यह समायोजन शुल्क शामिल होगा। गौरतलब है कि FAC एक नियामक व्यवस्था है, जिसे महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग (MERC) की मंजूरी प्राप्त है। इसका उद्देश्य बिजली खरीद और ईंधन लागत में होने वाले उतार-चढ़ाव का प्रभाव सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँचाना है।

'आरोपी का कोई गलत इरादा नहीं था', अदालत ने नाबालिग लड़की को चूमने के आरोपी को बरी किया

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे की एक विशेष अदालत ने साल 2021 में एक तीन साल की बच्ची चूमने और उसके साथ कथित छेड़छाड़ के आरोपी को रिहा करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपी का कोई गलत इरादा नहीं था। अदालत ने कहा कि बच्चों को प्यार करने वाला कोई भी व्यक्ति स्वभाविक तौर पर ऐसा कर सकता है।

अदालत ने आरोपी को दिया संदेह का लाभ

अदालत ने आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए कहा कि आरोपी का कोई गलत इरादा नहीं था और अभियोजन पक्ष उसके खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा। 22 अगस्त को पारित इस आदेश में, पोक्सो कानून से संबंधित मामलों की सुनवाई कर रही विशेष न्यायाधीश रूबी यू मालवंकर ने 54 वर्षीय ओमप्रकाश रामबचन गिरि को बरी कर दिया। ओमप्रकाश रामबचन गिरी पर 9 जनवरी, 2021 को दो अलग-अलग मौकों पर नाबालिग बच्ची को गले लगाने और चूमने का आरोप था। पुलिस ने उनके खिलाफ POCSO अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 354 (महिला की गरिमा भंग करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) के तहत मामला दर्ज किया था।

मध्य रेल ने अनाधिकृत और बिना टिकट यात्रा करने वाले 17.19 लाख मामलों से 100 करोड़ से अधिक का जुर्माना वसूला

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

अपने मूल्यवान यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने की अपनी अटूट प्रतिबद्धता के तहत, मध्य रेल ने अपने नेटवर्क में अनाधिकृत और बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए अपने प्रयासों को तेज़ कर दिया है। तीव्र और व्यवस्थित टिकट जाँच अभियानों के माध्यम से, रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 (अप्रैल से अगस्त 2025) के दौरान महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त किए हैं।

इस अवधि के दौरान, मध्य रेल की समर्पित टिकट जाँच टीमों ने बिना टिकट, अनुचित या अमान्य यात्रा प्राधिकरण के साथ यात्रा कर रहे 17.19 लाख यात्रियों को पकड़ा और ?100.50 करोड़ का रिकॉर्ड जुर्माना वसूला किया ।

अगस्त-2025 के दौरान, मध्य रेल टिकट जाँच दलों ने बिना टिकट/वैध टिकट के यात्रा कर रहे 2.76 लाख यात्रियों को पकड़ा है, जबकि अगस्त-2024 में यह संख्या 2.34 लाख थी। इस प्रकार, 18इ की वृद्धि हुई है।

अगस्त-2025 के दौरान उल्लंघनकर्ताओं से जुर्माने के रूप में 13.78 करोड़ रुपये वसूले गए हैं, जबकि अगस्त-2024 में यह राशि 8.85 करोड़ रुपये थी। इस प्रकार, 55इ से अधिक की वृद्धि हुई है।

वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल से अगस्त 2025) के लिए बिना टिकट/वैध टिकट के यात्रा करते पकड़े गए यात्रियों का मंडलवार विवरण और उनसे वसूली गई जुर्माना राशि इस प्रकार हैः

भुसावल मंडल 4.34 लाख मामलों से 36.93 करोड़ रुपये,

मुंबई मंडल 7.03 लाख मामलों से 29.17 करोड़ रुपये,

नागपुर मंडल 1.85 लाख मामलों से 11.44 करोड़ रुपये,

पुणे मंडल 1.89 लाख मामलों से 10.41 करोड़ रुपये,

सोलापुर मंडल 1.04 लाख मामलों से 5.01 करोड़ रुपये,

मुख्यालय 1.04 लाख मामलों से 7.54 करोड़ रुपये,

मध्य रेल अनधिकृत यात्रा का पता लगाने के लिए एक बहुआयामी रणनीति अपनाता है जिसमें स्टेशन जाँच, घात जाँच, किलेबंदी जाँच, गहन जाँच और मेगा टिकट जाँच अभियान शामिल हैं। ये ऑपरेशन मुंबई और पुणे मंडलों में मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, पैसेंजर ट्रेनों, स्पेशल ट्रेनों और उपनगरीय ट्रेनों में किए जाते हैं।

टिकट धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने और राजस्व हानि को कम करने के लिए एक बड़े कदम के रूप में, मध्य रेल ने यात्रियों द्वारा व्यापक दुरुपयोग की रिपोर्टों के बाद, यूटीएस मोबाइल ऐप के माध्यम से स्टेटिक क्यूआर कोड द्वारा टिकटों की बुकिंग को निलंबित कर दिया है।

क्यूआर कोड प्रणाली को बंद करने से अब पेपरलेस टिकटिंग के दुरुपयोग पर रोक लग गई है।

मध्य रेल यात्रियों से अपील करता है कि वे असुविधा और जुर्माने से बचने के लिए उचित और वैध टिकट खरीदकर सम्मान और जिम्मेदारी के साथ यात्रा करें। रेलवे बिना टिकट यात्रा के प्रति अपनी शून्य-सहिष्णुता की नीति दोहराता है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि यात्रियों को एक आरामदायक और सम्मानजनक यात्रा का आनंद मिले।

भिवंडी में जन सुरक्षा कानून के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर आज बुधवार जन सुरक्षा कानून के विरोध में जोरदार आंदोलन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में भिवंडी लोकसभा महिला आघाड़ी संपर्क संघटिका आशा ताई रसाल, जिल्हा प्रमुख मनोज गगे, शहर प्रमुख प्रसाद पाटील, महानगर प्रमुख अरुण पाटील, जिल्हा संघटिका वैशाली ताई मेस्त्री, जिल्हा सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी, शहर समन्वयक नाना झलके और पश्चिम सचिव नितेश दांडेकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। आंदोलन के दौरान 'जन सुरक्षा कानून रद्द करो' के नारे गूंजते रहे। मंच से वक्ताओं ने सरकार पर तीखा प्रहार किया और कानून को अलोकतांत्रिक बताते हुए इसे जनता की स्वतंत्रता पर हमला करार दिया। इस विरोध प्रदर्शन में सर्वस्वी व्यापारी संघटना अध्यक्ष मनीष बंटी गिरी, कामगार सेना अध्यक्ष पप्पान शेख, उपशहर प्रमुख संतोष भावार्थी, भाई वनगे, गणेश मोरे, स्वप्निल जोशी, हर्षल राऊत, अनिस सिद्दीकी, विजय कुंभार, सुरेश पवार, नियाज बाबा, कीशोर शिंगोले, राजु पातकर, नरेश शिवदे, केदार शिंगासणे, शांताराम गायकवाड, अजय तेजे, नितेश, मुजम्मिल खान, मयूर कदम, प्रताप शिंदे, अमोल अहीरे, नितीन निकम, शफीक अन्सारी, रचना चौधरी, वर्षा पाटील, सुनिता तरे, दिपाली जैन और अरुणा पाटील सहित बड़ी संख्या में शिवसैनिक और पदाधिकारी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि यह कानून वापस नहीं लिया गया, तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा।

कैबिनेट ने बिहार में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल मोकामा-मुंगेर खंड के हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम) पर निर्माण को मंजूरी दी

नई दिल्ली (संवाददाता)

जिसकी कुल लंबाई 82.4 किलोमीटर और कुल लागत 4447.38 करोड़ रुपये होगी

मंत्र न्यूज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने आज बिहार के बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड मोकामा-मुंगेर खंड के हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम) पर निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना की कुल लंबाई 82.400 किलोमीटर होगी और इसकी कुल पूंजीगत लागत 4447.38 करोड़ रुपये होगी।

यह खंड मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर, मुंगेर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय शहरों से होकर गुजरता है या उन्हें कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जैसा कि अनुलग्नक-ध में दिए गए मानचित्र में दर्शाया गया है।

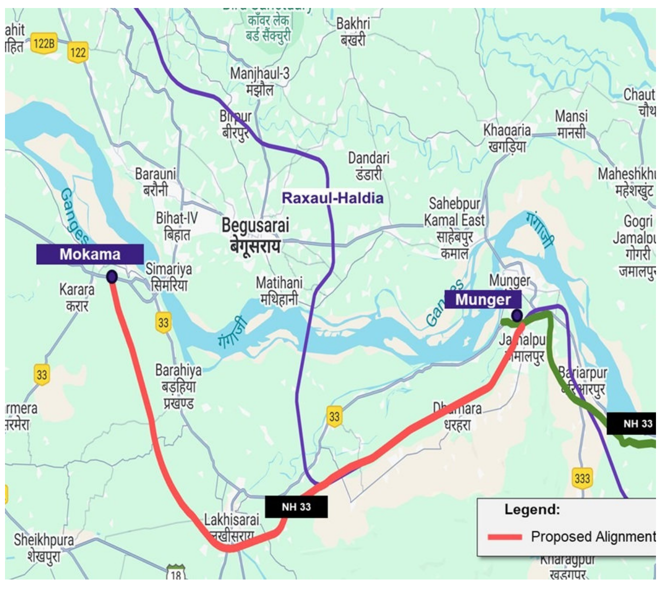

पूर्वी बिहार में मुंगेर-जमालपुर-भागलपुर क्षेत्र आयुध कारखाने (मौजूदा बंदूक कारखाना और रक्षा मंत्रालय द्वारा आयुध कारखाना गलियारे के हिस्से के रूप में प्रस्तावित एक और कारखाना), लोकोमोटिव वर्कशॉप (जमालपुर में), खाद्य प्रसंस्करण (जैसे, मुंगेर में आईटीसी) और संबंधित रसद एवं भंडारण केंद्रों के बल पर एक प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। भागलपुरी सिल्क (भागलपुर में प्रस्तावित वस्त्र इको-सिस्टम) की प्रमुखता के बीच भागलपुर वस्त्र और रसद केंद्र के रूप में उभर रहा है। वहीं बड़हिया खाद्य पैकेजिंग, प्रसंस्करण और कृषि-गोदाम के लिए एक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। इस क्षेत्र में बढ़ती आर्थिक गतिविधियों से भविष्य में मोकामा-मुंगेर खंड पर माल ढुलाई और यातायात का विस्तार होने की उम्मीद है।

टोल टैक्स की प्रणाली से युक्त 4-लेन एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर पर 100 किमी/घंटा की डिजाइन स्पीड के साथ वाहन की 80 किमी/घंटा की औसत गति को सपोर्ट करता है। इससे यात्रा में लगने वाला समय लगभग 1.5 घंटे तक कम हो जाएगा। साथ ही, यह यात्री और मालवाहक वाहनों, दोनों के लिए सुरक्षित, तेज और निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

82.40 किलोमीटर की प्रस्तावित परियोजना से लगभग 14.83 लाख मानव-दिवस का प्रत्यक्ष रोजगार और 18.46 लाख मानव-दिवस का अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा। प्रस्तावित गलियारे के आसपास के क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के कारण यह परियोजना अतिरिक्त रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी।

12 साल से जेल में बंद आरोपी को बॉम्बे हाईकोर्ट से जमानत, ट्रायल में देरी पर जताई नाराजगी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2012 पुणे ब्लास्ट केस के एक आरोपी फारूक बगवान को जमानत दे दी है। अदालत ने कहा कि वह 12 साल से जेल में है और ट्रायल पूरा होने की संभावना निकट भविष्य में नजर नहीं आती। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस ए.एस. गडकरी और जस्टिस राजेश पाटिल की बेंच ने बताया कि अब तक 170 गवाहों में से सिर्फ 27 की ही गवाही हुई है।

एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत

कोर्ट ने कहा कि आरोपी के खिलाफ इस केस के अलावा कोई और आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत तेज सुनवाई आरोपी का मौलिक अधिकार है। आरोपी फारूक बगवान को एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी गई है। हाईकोर्ट ने कहा, 'यह साफ है कि ट्रायल निकट भविष्य में पूरा होने की संभावना बहुत कम है। यह अच्छी तरह स्थापित सिद्धांत है कि किसी भी आरोपी का तेज और निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसका मौलिक अधिकार है।'

फारूक बगवान पर आरोप

एटीएस का आरोप है कि फारूक बगवान ने अपने कंप्यूटर पर फर्जी दस्तावेज तैयार किए, जिनका इस्तेमाल सिम कार्ड लेने के लिए किया गया। इन सिम कार्ड्स का इस्तेमाल अन्य आरोपियों ने धमाकों की साजिश रचने में किया। साजिश फारूक की दुकान के अंदर ही रची गई थी। अपने फैसले में अदालत ने साफ कहा कि आरोपी को बिना मुकदमे के इतने लंबे समय तक जेल में रखना न्याय के खिलाफ है। वहीं अगर देखा जाए तो अब तक ट्रायल में गवाहों की पेशी बेहद धीमी रही है। कोर्ट ने इस देरी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि न्याय में देरी, न्याय से इनकार के बराबर है।

2012 पुणे ब्लास्ट केस

1 अगस्त 2012 को पुणे की जंगली महाराज रोड, जो शहर की व्यस्ततम जगहों में से एक है, वहां पांच लो-इंटेंसिटी (कम तीव्रता) के ब्लास्ट हुए थे।

कैबिनेट ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 3,169 करोड़ रुपए की लागत से भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन खंड (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंजूरी दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने आज बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट एकल रेलवे लाइन खंड (177 किमी) के दोहरीकरण को मंजूरी दे दी है। इसकी कुल लागत लगभग 3,169 करोड़ रुपए है।

इस बढ़ी हुई लाइन क्षमता से परिवहन में सुधार होगा जिससे भारतीय रेलवे की दक्षता और सेवा विश्वसनीयता बढ़ेगी। इस मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव से परिचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी जिससे भारतीय रेलवे के इन सबसे व्यस्ततम खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढांचागत विकास संभव होगा। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र के लोगों को व्यापक विकास के माध्यम से 'आत्मनिर्भर' बनाएगा और उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ाएगा।

ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई हैं जिनका उद्देश्य एकीकृत योजना

और हितधारकों के साथ परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। ये परियोजनाएं रेल यातायात के साथ-साथ सामानों की ढुलाई के लिए भी निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।

बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के पांच जिलों को कवर करने वाली इस परियोजना से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 177 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

यह परियोजना खंड, देवघर (बाबा बैद्यनाथ धाम), तारापीठ (शक्ति पीठ) आदि जैसे प्रमुख स्थलों को भी रेल संपर्क प्रदान करता है।

मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 441 गांवों और 28.72 लाख आबादी तथा तीन आकांक्षी जिलों (बांका, गोड्डा और दुमका) तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

कोयला, सीमेंट, उर्वरक, ईंट और पत्थर आदि जैसी वस्तुओं की ढुलाई के लिए यह एक आवश्यक मार्ग है। इन क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 15 मिलियन टन प्रति वर्ष की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे, पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण, जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की लॉजिस्टिक लागत, तेल आयात (5 करोड़ लीटर) और सीओ2 उत्सर्जन (24 करोड़ किलोग्राम) कम करने में मदद करेगा, जो एक करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

हलाल टाउनशिप को लेकर बढ़ा विवाद

'धर्म आधारित आवासीय परियोजनाएं राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा'

मुंबई। महाराष्ट्र भाजपा ने धर्म के आधार पर आवासीय परियोजनाओं की आलोचना की है और विभाजनकारी हथकंडा बताते हुए इन्हें राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा बताया। भाजपा ने कहा कि धर्म आधारित आवासीय परियोजनाएं देश के सांविधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को कमजोर करती हैं। भाजपा प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने हाल ही में मुंबई से लगभग 100 किलोमीटर दूर करजत के पास प्रस्तावित 'हलाल लाइफस्टाइल टाउनशिप' को लेकर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि 'हमारी आपत्ति आवासीय संपत्तियों की बिक्री के लिए इस तरह के हथकंडे अपनाने को लेकर है। यह अस्वीकार्य है।' यह टाउनशिप सिर्फ मुस्लिम समुदाय के लिए हलाल लाइफस्टाइल टाउनशिप के नाम से प्रमोट की जा रही है।

हलाल लाइफस्टाइल टाउनशिप पर बढ़ा विवाद

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने करजत परियोजना से जुड़ी शिकायत का संज्ञान लिया है और राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। साथ ही, आवास नियामक महाराष्ट्र रेरा से भी इस परियोजना को मंजूरी देने के कानूनी आधार पर स्पष्टीकरण मांगा है। उपाध्ये ने कहा कि धर्म से प्रेरित ऐसी परियोजनाएं

विभाजन के बीज बोने का प्रयास करती हैं। उन्होंने कहा, 'मुंबई के आसपास ऐसी 'हलाल लाइफस्टाइल टाउनशिप' बनाकर समाज में धार्मिक विभाजन की दीवारें खड़ी करने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए।'

'ये परियोजना सांविधानिक मूल्यों पर सीधा हमला'

भाजपा नेता ने कहा, '1857 के विद्रोह के बाद, सर सैयद अहमद खान ने मुसलमानों के लिए अलग बस्तियों की मांग की थी, जिसे विभाजन की पहली मांग माना गया। करजत में आज की हलाल बस्ती को भी देश की एकता के लिए खतरे की घंटी के रूप में देखा जाना चाहिए।' उन्होंने कहा कि परियोजना के प्रचार के लिए इस्तेमाल किए जा रहे विवरण सांविधानिक मूल्यों पर सीधा हमला हैं और ये जानबूझकर विभाजन और भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने भी इस पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में यह हलाल टाउनशिप नहीं चलेगी। ऐसा कोई प्रोजेक्ट महाराष्ट्र में नहीं चलेगा।

'विकास की आड़ में लैंड जिहाद'

उपाध्ये ने कहा, 'अगर आज ऐसी परियोजनाओं को अनुमति दी गई, तो कल हम हर जिले और गांव में हर धर्म के लिए अलग-अलग बस्तियां देखेंगे। यह भारत के सामाजिक सद्भाव, एकता और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा होगा।' उन्होंने सरकार से इसकी जांच शुरू करने का आग्रह किया और कहा कि धर्म के नाम पर समाज को बांटने की किसी भी साजिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपाध्ये ने कहा, 'विकास की आड़ में विभाजन की साजिश लैंड जिहाद है। ऐसी योजनाओं के पीछे जो भी लोग हैं, उन्हें यह समझना चाहिए कि महाराष्ट्र में किसी भी तरह के जिहाद या फतवे के लिए कोई जगह नहीं है।'

महिला वनडे विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान डेवाइन को मिली कमान, चार नए चेहरे टीम में

वेलिंग्टन **(एजेंसी)**। न्यूजीलैंड ने भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी महिला एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी टीम में अनकैप्ड ऑलराउंडर फ्लोरा डेवनशायर को जगह दी है। चयनकर्ताओं ने पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स और ब्री इलिंग को भी विश्व कप टीम में जगह दी है। इन सभी खिलाड़ियों के नाम कुल मिला कर आठ एकदिवसीय मैच हैं।

बाएं हाथ की 22 साल की स्पिनर डेवनशायर ने इसी साल श्रीलंका के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेला था। इसके अलावा जून-जुलाई के दौरान जब न्यूजीलैंड ए की टीम इंग्लैंड गई थी तो वह भी टीम का हिस्सा थीं। 15 खिलाड़ियों की टीम में डेवनशायर के शामिल होने के कारण 26 एकदिवसीय मैच खेलने वाली साथी बाएं हाथ की स्पिनर फ्रान जोनास को टीम में जगह नहीं बना पाई है। डेवनशायर ने अभी तक एक भी एकदिवसीय मैच नहीं खेला है।

न्यूजीलैंड मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा, 'जब किसी एक ही स्थान के लिए कई खिलाड़ियों का विकल्प मौजूद हो तो मुश्किल निर्णय लेने पड़ते हैं। फ्रान जैसी अच्छी खिलाड़ी को टीम से बाहर रखना एक कठिन फैसला था।' सॉयर ने कहा, 'मैं खासतौर पर उन चार खिलाड़ियों की सराहना करना चाहूंगा जो अपना पहला विश्व कप खेलने वाली हैं। उन सभी ने इस मौके को अपनी मेहनत से हासिल किया है और मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि वे टूर्नामेंट में कैसा प्रदर्शन करती हैं। मैं टीम के संतुलन से बहुत खुश हूं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे पास परिस्थितियों और विपक्षी टीमों को देखते हुए एक अच्छा संतुलन है। फ्लोरा के पास बल्लेबाजी के साथ एक आक्रामक सोच और कौशल है, जो निचले क्रम में बेहद महत्वपूर्ण है। बेला एक बहुमुखी बल्लेबाज हैं जो मैदान के चारों ओर 360 डिग्री शॉट मार सकती हैं और किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकती हैं।'

सॉयर ने कहा, 'मैं ईमानदारी से कह सकता हूं कि इस टीम के साथ जिन चार वैश्विक आयोजनों का मैं हिस्सा रहा हूं, उसकी तुलना में यह टीम सबसे बेहतर है। अप्रैल के बाद से हमारे कैलेंडर में कोई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं होने से हमें खासतौर पर अपने शारीरिक कौशल पर कड़ी मेहनत करने का अवसर मिला है, जो भारत में निर्णायक साबित हो सकता है।'

टीम 13 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात के लिए रवाना होगी, जहां टूर्नामेंट से पहले के कैंप में इंग्लैंड के साथ दो अभ्यास मैच खेलने है और उसके बाद वे भारत के लिए रवाना होंगी। उनका पहला विश्व कप मैच एक अक्टूबर को इंदौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ है।

महिला वनडे विश्वकप के लिए न्यूजीलैंड टीम : सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवनशायर, इज्जी गेज , मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, जेस कर, अमेलिया कर, रोजमेरी मायर, जॉर्जिया प्लीमर और ली ताहुहू।

एशिया कप : हांगकांग के खिलाफ बांग्लादेश की नजरें मजबूत शुरूआत पर

अबु धाबी **(एजेंसी)**। बांग्लादेश की टीम एशिया कप में अपने अभियान का आगाज शेख जायेद स्टेडियम पर यहां बृहस्पतिवार को हांगकांग के खिलाफ करेगी जिसे पहले मैच में अफगानिस्तान ने बुरी तरह हराया है।

एशिया कप के उद्घाटन मैच में अफगानिस्तान ने हांगकांग को 94 रन से हराया। अफगानिस्तान के छह विकेट पर 188 रन के जवाब में हांगकांग की टीम नौ विकेट पर 94 रन ही बना सकी थी । उसके सिर्फ दो बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंच सके और उसकी कमजोर बल्लेबाजी पर एक बार फिर दबाव होगा। उसके गेंदबाजों को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

दूसरी ओर श्रीलंका और अफगानिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण के कठिन मुकाबलों से पहले बांग्लादेश की टीम मजबूत शुरूआत करना चाहेगी। बांग्लादेश की टीम 2012, 2016 और 2018 में फाइनल में पहुंची लेकिन हर बार भारत और श्रीलंका जैसे दिग्गजों के खिलाफ उसे पराजय का सामना करना पड़ा।

लिटन दास टीम के कप्तान होंगे जिनका यह पांचवां एशिया कप है लेकिन पहली बार पूर्णकालिक कप्तान के तौर पर खेलेंगे। विकेटकीपर और बल्लेबाज के तौर पर उनकी मौजूदगी टीम को स्थिरता देती है। नुरूल हसन भी तीन साल बाद टीम में लौटे हैं जिससे बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के विकल्प बढे हैं। तौहीद ह्र्दय मध्यक्रम को आक्रामकता देते हैं जबकि मुस्ताफिजूर रहमान के पास डैथ ओवरों में विविधता है। नयी गेंद संभालने वाले तंजीम हसन साकिब का फॉर्म अतिरिक्त बोनस है । बांग्लादेश ने पिछली तीन श्रृंखलाओं में श्रीलंका, पाकिस्तान और नीदरलैंड को हराया है।

लिटन ने ट्रॉफी अनावरण समारोह में मंगलवार को कहा, 'हमने अभी तक चैम्पियनशिप नहीं जीती है लेकिन वह अतीत की बात है । यहां कई चुनौतियां होंगी जो आसान नहीं होंगी लेकिन हमारा फोकस टीम के रूप में बेहतर प्रदर्शन पर रहेगा।'

बांग्लादेश की टीम : लिटन दास (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद ह्र्दय, जाकिर अली, शमीम हुसैन, नुरूल हसन, मेहदी हसन, रिषाद हुसैन, नासुम अहमद, मुस्ताफिजूर रहमान, तंजीम हसन, तसकीन अहमद, शरीफुल इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन।

हांगकांग की टीम : यासिम मुर्तजा (कप्तान), बाबर हयात, जीशान अली, निजाकत खान मोहम्मद, नसरूल्ला राणा, मार्टिन कोएत्जी, अंशुमान रथ, कल्हान मार्क चाल्लू, आयुष शुक्ला, मोहम्मद ऐजाज खान, अतीक उल रहमान इकबाल, किंचित शाह, अली हसन, शाहिद वसीफ, गजांफर मोहम्मद, मोहम्मद वाहीद, एहसान खान। मैच का समयः रात आठ बजे से।

एज्योर पावर ने रिश्वत मामला अमेरिकी अदालत में 2.3 करोड़ डॉलर में निपटाया

न्यूयॉर्क **(एजेंसी)**। सौर ऊर्जा विनिर्माता एज्योर पावर ने कथित रिश्वतखोरी और अन्य अनियमितताओं से जुड़े मामले को अमेरिकी जिला न्यायालय में 2.3 करोड़ डॉलर का भुगतान कर निपटा लिया है। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कंपनी ने मंगलवार को कहा कि यह निपटान उसे आगे बढ़ने में सक्षम बनाएगा।

न्यूयॉर्क जिला न्यायालय में दायर अभियोग के मुताबिक, एज्योर और इसके पूर्व कार्यकारी अधिकारियों- रंजीत गुप्ता, मुरली सुब्रमण्यम एवं पवन कुमार अग्रवाल पर आंकड़ों को गलत ढंग से पेश करने और नई परियोजनाएं हासिल करने के लिए कथित तौर पर रिश्वत देने का आरोप था।

अभियोग के मुताबिक, कंपनी के इन अधिकारियों ने भ्रष्टाचार-रोधी और रिश्वत-रोधी कानूनों का उल्लंघन करने के साथ निवेशकों को भी नुकसान पहुंचाया, जिन्होंने एज्योर के शेयर कृत्रिम रूप से बढ़ी कीमतों पर खरीदे।

कंपनी ने बताया कि अप्रैल, 2025 में कंपनी और अदालत द्वारा नियुक्त प्रमुख शिकायतकर्ता के बीच निपटान समझौता हुआ था। इस समझौते को अदालत ने 30 अप्रैल, 2025 को प्रारंभिक मंजूरी दी थी और अब इसे अंतिम मंजूरी भी मिल गई है। निपटान समझौते के अनुरूप 2.3 करोड़ डॉलर की राशि पहले ही निर्दिष्ट एस्क्रो खाते में जमा कर दी गई है। एक जनवरी, 2020 से 20 नवंबर, 2024 के बीच एज्योर के शेयर खरीदने वाले सभी व्यक्तियों और संस्थाओं में यह निपटान राशि वितरित की जाएगी। एज्योर पावर ने कहा, ''कंपनी उच्चतम नैतिक एवं नियामकीय मानकों के पालन के लिए प्रतिबद्ध है। यह निपटान कंपनी को टिकाऊ ऊर्जा समाधान देने और शेयरधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाएगा।

हांगकांग ओपन : पीवी सिंधु की शर्मनाक हार

निचली रैंकिंग वाली डेनमार्क की खिलाड़ी से हारकर हुईं बाहर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू बुधवार को हांगकांग ओपन से बाहर हो गईं। सिंधू को डेनमार्क की गैर वरीय लाइन क्रिस्टोफरसन ने तीन गेम में मात देकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पिछले महीने बीएडब्ल्यएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में शिकस्त झेलने वाली सिंधू को हांगकांग ओपन के अंतिम-32 के मुकाबले में दानिश शटलर के हाथों 21-15, 16-21, 19-21 के अंतर से शिकस्त झेलनी पड़ी। 25 साल की क्रिस्टोफरसन के खिलाफ 6 मैचों में सिंधू की ये पहली हार रही। वह एक घंटे से कम अवधि में मुकाबला गंवा बैठीं। सिंधू इस साल स्विस और जापान ओपन से जल्दी बाहर हुई थी। उन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर फॉर्म में वापसी के संकेत दिए थे। मगर वो हांगकांग ओपन में दमदार प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हो पाईं। पीवी सिंधू ने पहले गेम में 3-1 की शुरुआती बढ़त बनाई, लेकिन दानिश शटलर ने दमदार वापसी करके स्कोर 5-5 से बराबर कर दिया। फिर सिंधू ने एक अंक की अपनी बढ़त को कायम रखते हुए स्कोर 14-13 कर दिया। यहां से भारतीय शटलर ने अपने खेल को और निखारा और पहला गेम 6 अंक के अंतर से जीत लिया।

पीवी सिंधू ने दूसरे गेम में भी 13-12 की बढ़त बना रखी थी और लग रहा था कि वो लगातार छठी बार दानिश खिलाड़ी को मात दे देंगी। लेकिन भारतीय शटलर को अपनी गलतिया भारी पड़ गईं। सिंधू ने लगातार पांच अंक गंवा दिए और दूसरा गेम पांच अंक के अंतर से गंवा दिया।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को मिली बड़ी खुशखबरी, आईसीसी ने दिया जीत का तोहफा

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। एशिया कप2025 के बीच पाकिस्तान टीम के लिए बडी खबर है। दरअसल, हाल ही में समाप्त हुई ट्राई सीरीज का खिताब जीतकर पाकिस्तान को बड़ा फायदा हुआ है। टीम ने आईसीसी मेंस टी20 इंटरनेशनल प्लेयर रैंकिंग में टॉप पर पहुंच गई है।

बता दें कि, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और यूएई के बीच एशिया कप से पहले ट्राई सीरीज खेली गई थी। फाइनलमें पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को 75 रन से शिकस्त दी थी। पाकिस्तान के गेंदबाजों को भी इसका फायदा मिला है।

वहीं बाएं हाथ के स्पिनर सूफियान मुकीम फाइनल में दो विकेट लेने के बदौलत सात पायदान ऊपर चढ़कर 15वें स्था पर आ गए हैं, तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी चार पायदान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर हैं, जबकि लेग स्पिनर अबरार इस टूर्नामेंट में दो मैचो में 6 विकेट लेने वाले 39 पायदान ऊपर चढ़कर 27वें स्थान पर हैं। मोहम्मद नवाज को उनके 10 विकेटों के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। बाएं हाथ के इस गेंदबाज को टी20 इंटरनेशनल गेंदबाजों की सूची में 13 पायदान ऊपर चढ़कर 30वें स्थान पर पहुंचने का इनाम मिला। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी टॉप पर बने हुए हैं। इसके अलावा ताजा वनडे रैंकिंग में भी काफी बदलाव हुआ है। इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाड़ियों ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका द्वारा 2-1 से जीती गई सीरीज के बाद बढ़ हासिल की है। जोफ्रा आर्चर ने सीरीज में 8 विकेट चटकाए थे। उन्हें वनडे गेंदबाजी की रैंकिंग में 16 स्थान की छलांग लगाई है और वह तीसरे स्थान पर आ गए हैं। आर्चर नंबर 1 वनडे गेंदबाज केशव महाराज से केवल 26 रेटिंग अंक पीछे हैं, जबकि साउथ अफ्रीका के इस स्पिनर ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 8 विकेट अपने नाम करके रैंकिंग में टॉप स्थान हासिल किया।

आरबीआई ने यस बैंक के निदेशक मंडल में बदलाव का मंजूरी दी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। यस बैंक ने बुधवार को कहा कि आरबीआई ने बोर्ड में नामित निदेशकों की नियुक्ति के संबंध में बैंक के गठन और कामकाज से जुड़े नियमों में प्रस्तावित बदलावों को मंजूरी दे दी है। ये बदलाव सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) के दो नामित निदेशकों और एसबीआई के एक नामित निदेशक को बोर्ड में नामित करने से संबंधित हैं। बोर्ड में ये बदलाव जापान के एसएमबीसी द्वारा यस बैंक में एसबीआई और अन्य सात बैंकों की हिस्सेदारी हासिल करने के बाद प्रभावी होंगे। यस बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बैंक को गठन और कामकाज से जुड़े नियमों (आर्टिकल ऑफ एसोसएिशन-एओए) में प्रस्तावित संशोधनों के लिए नौ सितंबर, 2025 के पत्र के माध्यम से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से मंजूरी मिल गई है।

यस बैंक ने नौ माई खुलासा किया था कि एसएमबीसी ने 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की योजना बनाई है। इसमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से 13.19 प्रतिशत और सात अन्य बैंकों... एक्सिस बैंक, बंधन बैंक, फेडरल बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक से 6.81 प्रतिशत हिस्सेदारी शामिल है।

इस महीने की शुरुआत में, प्रस्तावित सौदे को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी मिल गई थी। पिछले महीने, आरबीआई ने भी इस सौदे को मंजूरी दे दी थी। इसमें स्पष्ट किया गया था कि एसएमबीसी को यस बैंक के प्रवर्तक के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाएगा। एसबीआई, की वर्तमान में बैंक में 24 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस सौदे के बाद उसकी हिस्सेदारी घटकर 10 प्रतिशत से थोड़ी अधिक हो जाएगी।

चेहरे से होगी एंट्री! सितंबर से 4 और एयरपोर्ट पर 'डिजी यात्रा', खत्म होंगी लंबी कतारें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि इस महीने के अंत तक चार और हवाई अड्डों पर डिजी यात्रा सुविधा लागू हो जाएगी। सूत्रों के अनुसार, इन चार हवाई अड्डों के नाम इस सप्ताह के अंत तक घोषित किए जाने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, डिजी यात्रा को 22-23 सितंबर को विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार (एनएईजी) में स्वर्ण पदक प्राप्त होगा।

फरवरी में, भारत के अग्रणी हवाई यात्रा ऐप, डिजी यात्रा ने 1 करोड़ से अधिक डाउनलोड प्राप्त करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने ऐप की बढ़ती लोकप्रियता और भारत में हवाई यात्रा पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव को उजागर किया। दिसंबर 2022 में स्थापित, डिजी यात्रा एक स्व-संप्रभु पहचान (एसएसआई)-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र है जो हवाई अड्डों पर संपर्क रहित और निर्बाध यात्री प्रसंस्करण के लिए चेहरे की बायोमेट्रिक तकनीक का उपयोग करता है, और भारत के 24 हवाई अड्डों पर गोपनीयता-सुरक्षात्मक और कुशल यात्रा अनुभव प्रदान करता है। इसने अब तक 45 मिलियन से अधिक निर्बाध यात्राओं को सुगम बनाया है, जिससे असंख्य यात्रियों को एक सहज अनुभव प्राप्त हुआ है। लगभग 10 मिलियन उपयोगकर्ताओं और 30, 000 ऐप डाउनलोड के प्रभावशाली दैनिक औसत के साथ, यह प्लेटफ़ॉर्म डिजिटल यात्रा समाधानों में मानक स्थापित कर रहा है। डिजी यात्रा की 2025 के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएँ हैं। इस प्लेटफ़ॉर्म का लक्ष्य सभी 22 आधिकारिक भारतीय भाषाओं का समर्थन करना, भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करना और यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक यात्री अपनी पसंदीदा भाषा में हवाई अड्डे की प्रक्रियाओं को आत्मविश्वास से नेविगेट कर सके।

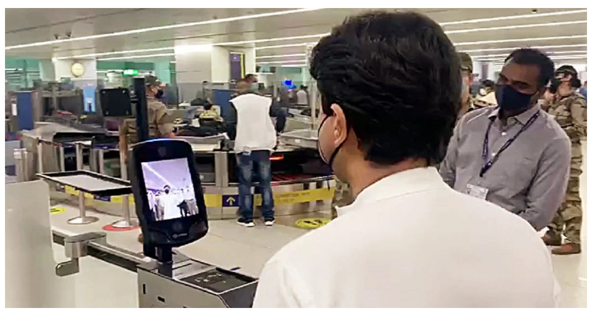

डिजी यात्रा का लक्ष्य एक अंतर्राष्ट्रीय पायलट परियोजना का संचालन करना भी है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक पासपोर्ट (ई-पासपोर्ट) वाले विदेशी यात्री इसके निर्बाध पारिस्थितिकी तंत्र का अनुभव कर सकें। डिजी यात्रा फाउंडेशन, डिजी यात्रा सेंट्रल इकोसिस्टम और अत्याधुनिक स्व-संप्रभु पहचान (एसएसआई)-आधारित विकेन्द्रीकृत इकोसिस्टम पर निर्मित ऐप्स का संचालन और प्रबंधन करता है, जो हवाई अड्डों पर संपर्क रहित और निर्बाध यात्री प्रसंस्करण के लिए फेशियल बायोमेट्रिक तकनीक का उपयोग करता है। भारत भर में 24 हवाई अड्डों पर परिचालन और लगभग 10 मिलियन उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान करने के साथ, डिजी यात्रा डेटा गोपनीयता और सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए हवाई यात्रा में क्रांति ला रही है।

रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की बढ़त के साथ 88.10 प्रति डॉलर पर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रवाह और अन्य विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर होने से बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया पांच पैसे की बढ़त के साथ 88.10 प्रति डॉलर पर खुला।

हालांकि, विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि ने स्थानीय मुद्रा में तेज बढ़त को रोक दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.11 पर खुला और फिर 88.10 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त है। मंगलवार को रुपये ने अपनी शुरुआती बढ़त गंवा दी छह पैसे टूटकर 88.15 प्रति डॉलर के अपने रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को, रुपये ने दिन में कारोबार के दौरान 88.38 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर को छुआ था। हालांकि, बाद में यह तीन पैसे बढ़कर 88.09 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.45 प्रतिशत गिरकर 97.90 पर आ गया। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.86 प्रतिशत बढ़कर 66.96 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

उर्फी जावेद को किया जा रहा हरैस, तस्वीर के साथ हुई गंदी हरकत, वायरल करने की मिली धमकी

मुबई। सोशल मीडिया पर लड़कियों की फोटोज का मिसयूज करना आज एक बड़ी समस्या बन चुका है। कई बार तो उनकी तस्वीरों को मॉर्फ कर वायरल करने या ब्लैकमेल करने की धमकियां दी जाती हैं। इस तरह की घटनाओं का शिकार सिर्फ आम लड़कियां ही नहीं बल्कि सेलेब्स भी होते हैं। ताजा मामला अपने अतरंगी ड्रेसिंग सेंस से सुर्खियों में बनी रहने वाली 'बिग बॉस ओटीटी' फेम और 'ट्रेटर्स' विनर उर्फी जावेद से जुड़ा सामने आया है। किसी शख्स ने उनकी पिक्चर्स के साथ छेड़छाड़ करके उन्हें वायरल करने की धमकी दी है। जिसकी जानकारी देते हुए एक्ट्रेस ने एक पोस्ट शेयर किया है।

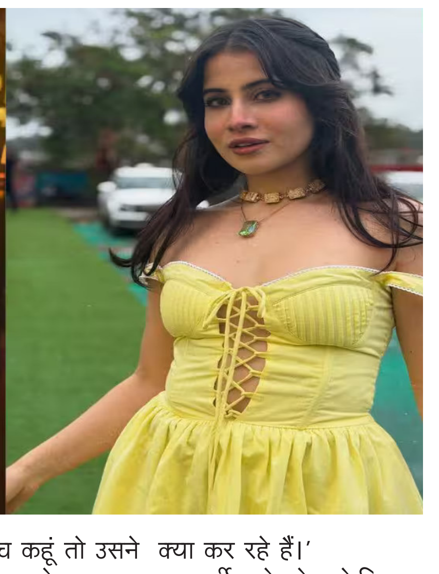

उर्फी जावेद ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने एक शख्स की प्रोफाइल को साझा करते हुए लिखा, 'ये शख्स मेरी तस्वीरों से छेड़छाड़ करके उन्हें अपलोड करने के लिए मुझे परेशान कर रहा है (सच कहूं तो उसने एक तस्वीर के साथ छेड़छाड़ कर भी दी और मुझे भेजी भी)। मुझे यकीन नहीं होता ये लोग आज मौजूद इस टेक्नोलॉजी के साथ क्या कर रहे हैं।'

उर्फी जावेद ने आगे लिखा, 'मैं इस पर ऑफिशियल कंप्लेंट दर्ज करवाऊंगी, लेकिन लेडीज अगर आप ऐसी किसी परिस्थिति में हैं, तो प्लीज डरिए मत, जाइए और पुलिस कम्प्लेंट कीजिए। प्रॉब्लम आप नहीं हैं, वो इस तरह के आदमी हैं जो सोसाइटी पर धब्बा हैं।' बता दें कि, जो शख्स उर्फी जावेद की फोटो के साथ गंदी हरकत करके उन्हें धमका रहा है वो एक रील क्रिएटर है, जिसके इंस्टाग्राम पर उसके 4 हजार के करीब फॉलोअर्स हैं।

आजकल इंटरनेट पर तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ कर ब्लैकमेल करने के मामले काफी ज्यादा बढ़ गए हैं। इन मामलों में अपराधी लड़कियों और महिलाओं की तस्वीरों को गलत तरीके से एडिट करके उन्हें धमकाते हैं। ऐसे में उर्फी जावेद के साथ हुई इस घटना से वह डरी नहीं बल्कि उन्होंने उस शख्स की हेकड़ी निकाल दी और बाकी लड़कियों के लिए भी हिम्मत की मिसाल बनीं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

मातोश्री रमाबाई अंबेडकर मैटरनिटी होम, चेंबूर नाका
क्रमांकः एचओ/630/एमआरएएमएच दिनांक- 10.09.2025

रुचि की अभिव्यक्ति हेतु विज्ञापन

विषयः लोक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत श्रेणी 'घ' के रिक्त पदों को गैर सरकारी संगठन के माध्यम से अनुबंध आधार पर भरने के संबंध में।

एम पश्चिम वार्ड में मातोश्री रमाबाई अंबेडकर प्रसूति गृह, चेंबूर नाका विभाग द्वारा स्वैच्छिक संगठन (बचत समूह को छोड़कर) के माध्यम से श्रेणी 'घ' के रिक्त पदों को भरा जाना है। संस्थाओं की स्थापना का उद्देश्य अपने सदस्यों को रोजगार प्रदान करना है। फर्म के लिए पेंशन/ईएसआईसी पंजीकरण अनिवार्य है।

हम आवेदक से अनुरोध करते हैं कि वे अपना आवेदन तैयार करें और चयन हेतु आवेदन करें। आवेदन का नमूना मातोश्री रमाबाई अंबेडकर प्रसूति गृह, चेंबूर नाका कार्यालय में 11.09.2025 से 19.09.2025 तक सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक दिया जा सकता है। अंतिम तिथि 19.09.2025 (शाम 4:00 बजे तक) है। उल्लिखित कार्यालय समय के बाद जमा किए गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

वैदयकिय अधिकारी (प्रभारी)
मातोश्री रमाबाई आंबेडकर
प्रसुतिगृह चेंबुरनाका

पीआरओ/1540/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

चेहरे से होगी एंट्री! सितंबर से 4 और एयरपोर्ट पर 'डिजी यात्रा', खत्म होंगी लंबी कतारें

नई दिल्ली। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि इस महीने के अंत तक चार और हवाई अड्डों पर डिजी यात्रा सुविधा लागू हो जाएगी। सूत्रों के अनुसार, इन चार हवाई अड्डों के नाम इस सप्ताह के अंत तक घोषित किए जाने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, डिजी यात्रा को 22-23 सितंबर को विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार (एनएईजी) में स्वर्ण पदक प्राप्त होगा।

फरवरी में, भारत के अग्रणी हवाई यात्रा ऐप, डिजी यात्रा ने 1 करोड़ से अधिक डाउनलोड प्राप्त करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। ??इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने ऐप की बढ़ती लोकप्रियता और भारत में हवाई यात्रा पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव को उजागर किया। दिसंबर 2022 में स्थापित, डिजी यात्रा एक स्व-संप्रभु पहचान (एसएसआई)-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र है जो हवाई अड्डों पर संपर्क रहित और निर्बाध यात्री प्रसंस्करण के लिए चेहरे की बायोमेट्रिक तकनीक का उपयोग करता है, और भारत के 24 हवाई अड्डों पर गोपनीयता-सुरक्षात्मक और कुशल यात्रा अनुभव

प्रदान करता है।

इसने अब तक 45 मिलियन से अधिक निर्बाध यात्राओं को सुगम बनाया है, जिससे असंख्य यात्रियों को एक सहज अनुभव प्राप्त हुआ है। लगभग 10 मिलियन उपयोगकर्ताओं और 30,000 ऐप डाउनलोड के प्रभावशाली दैनिक औसत के साथ, यह प्लेटफ़ॉर्म डिजिटल यात्रा समाधानों में मानक स्थापित कर रहा है। डिजी यात्रा की 2025 के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएँ हैं। इस प्लेटफ़ॉर्म का लक्ष्य सभी 22 आधिकारिक भारतीय भाषाओं का समर्थन करना, भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करना और यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक यात्री अपनी पसंदीदा भाषा में हवाई अड्डे की प्रक्रियाओं को आत्मविश्वास से नेविगेट कर सके।

डिजी यात्रा का लक्ष्य एक अंतर्राष्ट्रीय पायलट परियोजना का संचालन करना भी है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक पासपोर्ट (ई-पासपोर्ट) वाले विदेशी यात्री इसके निर्बाध पारिस्थितिकी तंत्र का अनुभव कर सकें। डिजी यात्रा फाउंडेशन, डिजी यात्रा सेंट्रल इकोसिस्टम और अत्याधुनिक स्व-संप्रभु पहचान (एसएसआई)-आधारित विकेन्द्रीकृत इकोसिस्टम पर निर्मित ऐप्स का संचालन और प्रबंधन करता है, जो हवाई अड्डों पर संपर्क रहित और निर्बाध यात्री प्रसंस्करण के लिए फेशियल बायोमेट्रिक तकनीक का उपयोग करता है। भारत भर में 24 हवाई अड्डों पर परिचालन और लगभग 10 मिलियन उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान करने के साथ, डिजी यात्रा डेटा गोपनीयता और सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए हवाई यात्रा में क्रांति ला रही है।

यूपी में हाई अलर्ट घोषित, नेपाल से जुड़ी हर सोशल मीडिया पोस्ट की हो रही निगरानी

लखनऊ। नेपाल के पीएम के इस्तीफे के बाद सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों ने एक संयुक्त अपील की है। उन्होंने लोगों से संयम बरतने और बातचीत के जरिए संकट का समाधान निकालने की अपील की है। उन्होंने कहा, चूंकि राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री का इस्तीफा पहले ही स्वीकार कर लिया गया है, इसलिए हम सभी से संयम बरतने और इस कठिन परिस्थिति में जान-माल को और नुकसान न होने देने की अपील करते हैं।

नेपाल में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच, उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस प्रशासन को इस हिमालयी राष्ट्र से लगे सभी सात सीमावर्ती जिलों में हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। यह कदम प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली द्वारा भ्रष्टाचार और विवादास्पद सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ युवा प्रदर्शनकारियों के नेतृत्व में कई दिनों तक चले हिंसक सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद इस्तीफा देने के बाद उठाया गया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज में

चौबीसों घंटे निगरानी, ??गश्त बढ़ाने और अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती के आदेश दिए हैं।

नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए लखनऊ स्थित पुलिस मुख्यालय में एक विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। एक व्हाट्सएप नंबर सहित तीन हेल्पलाइन नंबर 24×7 चालू रहेंगे - 0522-2390257, 0522-2724010, और 9454401674 (व्हाट्सएप नंबर 9454401674 पर भी उपलब्ध)। एडीजी (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश ने कहा यूपी पुलिस राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने और नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

रायबरेली में राहुल गांधी के दौरे पर सियासी बवाल, बीजेपी कार्यकर्ताओं ने घेरा, योगी के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने रोका काफिला

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को अपने संसदीय क्षेत्र का दो दिवसीय दौरा शुरू किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत के बाद 29 अप्रैल को इस क्षेत्र का दौरा करने के बाद यह उनका पहला दौरा है। वह दिन में पहले लखनऊ पहुँचे, जहाँ उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। वहाँ से, वह सड़क मार्ग से रायबरेली पहुँचे।

हालांकि, जानकारी के मुताबिक रायबरेली में राहुल गांधी का काफिला रोका गया। भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर बैठे रहे। भाजपा ने महागठबंधन के एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत मां के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान राहुल गांधी वापस जाओ के नारे भी लगे। यूपी के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने बिहार में पीएम मोदी की मां को गाली दी...राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए और पीएम मोदी की मां को गाली देने वाले कार्यकर्ताओं की निंदा करनी चाहिए और उन्हें निष्कासित करना चाहिए। राहुल गांधी के कार्यक्रम में राजनीतिक कार्यक्रमों और जनसंपर्क कार्यक्रमों का मिश्रण शामिल है। बाद में, वह डिडौली स्थित बटोही रिसॉर्ट में हरचंदपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों से बातचीत करेंगे और उसके बाद लखनऊ-प्रयागराज राजमार्ग पर प्रगतिपुरम कॉलोनी के पास प्रजापति महासभा के एक समारोह में भाग लेंगे। रायबरेली शहर के गोरा बाजार में सम्राट अशोक स्तंभ का उद्घाटन करने और राही ब्लॉक के मुलिहामऊ गाँव स्थित अमर शहीद वीरा पासी वन ग्राम में पौधारोपण अभियान में भाग लेने का भी उनका कार्यक्रम है। बाद में शाम को, वह बटोही रिसॉर्ट में ऊँचाहार विधानसभा क्षेत्र के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से मिलेंगे।

मणिशंकर अय्यर ने दिया मोदी सरकार को हराने का फॉर्मूला, बस इंडिया गठबंधन को करना होगा ये काम!

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष के पास भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास चुनावों में भाजपा को हराने की क्षमता है, बशर्ते वह एकजुट होकर प्रभावी ढंग से समन्वय स्थापित करे और इससे देश में लोकतंत्र के तेज पतन को रोकने में मदद मिल सकती है। जवाहर भवन में वरिष्ठ पत्रकार और लेखक प्रेम शंकर झा की नवीनतम पुस्तक, 'द डिसमेंटलिंग ऑफ इंडियाज डेमोक्रेसी 1947 टू 2025' के विमोचन के अवसर पर बोलते हुए, अय्यर ने ज़ोर देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पिछले तीन आम चुनावों, 2014, 2019 और 2024 में डाले गए कुल वोटों का केवल एक-तिहाई ही मिला है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दूसरे शब्दों में, लगभग दो-तिहाई भारतीयों ने कभी भाजपा को वोट नहीं दिया है, जिसका अर्थ है कि कम से कम आधे हिंदुओं ने हिंदुत्व और हिंदू धर्म के राजनीतिक स्वरूप के बीच किसी भी समानता को लगातार अस्वीकार किया है। इसलिए भारत गठबंधन अभी भी प्रबल हो सकता है। भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया), जिसकी औपचारिक घोषणा पिछले साल के लोकसभा चुनावों से पहले 2023 में की गई थी, विपक्षी दलों का एक गठबंधन है जो सत्तारूढ़ भाजपा को एकजुट मोर्चा बनाकर चुनौती देने के लिए बनाया गया है। हालांकि, अय्यर ने ज़ोर देकर कहा कि मौजूदा स्थिति को राजनीतिक रूप से तभी सुधारा जा सकता है जब इंडिया गठबंधन 'एकजुट होकर काम करे' - उन्होंने कहा कि यह संभावना और अनिश्चितता, दोनों के मिले-जुले संकेत दिखाता है। राजनयिक से राजनेता बने इस नेता ने आगे कहा, 'ऐसे संकेत हैं कि शायद ऐसा हो सकता है। लेकिन कुछ और संकेत भी हैं कि आंतरिक खींचतान के कारण गैर-भाजपा वोट बंटा हुआ रह सकता है, जैसा कि तीन बार हुआ है।' कांग्रेस नेता ने कहा कि उनका मानना है कि अगर भारतीय जनता पार्टी सही तरीके से चुनावी रणनीति अपनाए, तो कुछ ही वर्षों में या शायद उससे भी पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की हार हो सकती है। 84 वर्षीय नेता ने दावा किया कि भगवा बिरादरी के भीतर दरारें उभर रही हैं।

इजरायल ने कतर में मचा दिया कोहराम नेतन्याहू पर भड़के ट्रंप, अब अरब में मचेगी तबाही?

दोहा **(एजेंसी)**। इजरायल ने को कतर की राजधानी दोहा में हमास के नेतृत्व को निशाना बनाकर हवाई हमला किया। अधिकारियों के अनुसार, यह हमास के खिलाफ इजरायल की कार्रवाई को और तेज कर रहा है, जबकि गाजा में युद्ध समाप्त करने की बातचीत ठप पड़ गई है और नई सैन्य कार्रवाई की है। कतर प्रशासन ने हमले की पुष्टि की, लेकिन किसी के घायल होने की जानकारी सामने नहीं आई। यह लगभग दो वर्षों में कतर पर दूसरा बड़ा हमला है। पहला हमला तब हुआ था जब ईरान ने अल-उदीद एयर बेस पर हमला किया था, जहां अमेरिका का मध्य-पूर्व मुख्यालय स्थित है।

इजरायल के इस बड़े अटैक से अमेरिका भी सकते में नजर आ रहा है। कतर स्थित अमेरिकी दूतावास ने कहा कि उसने अपने प्रतिष्ठानों के लिए 'आश्रय-स्थल आदेश' जारी कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा कि वह हमास को संभावित युद्धविराम के संबंध में अपनी अंतिम चेतावनी दे रहे हैं, क्योंकि अमेरिका ने एक नया प्रस्ताव रखा है जिसके बारे में अरब अधिकारियों ने कहा कि इसमें सभी बंधकों की तत्काल रिहाई शामिल है।

इजरायल की सेना ने गाजा सिटी को पूरी तरह खाली करने को कहा। मौजूदा संघर्ष के दौर में शहर को पूरी तरह से खाली करने की यह पहली चेतावनी है। सेना ने कहा कि नॉर्थ गाजा में उसका अभियान और तेज होने वाला है। कतर ने दोहा स्थित हमास के राजनीतिक मुख्यालय पर हुए कायराना इज़राइली हमले की निंदा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने इसे सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानदंडों का घोर उल्लंघन बताया।

सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने कतर के शासक के साथ फोन पर बातचीत में इस हमले को ''आपराधिक कृत्य और अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन बताया। कतर का विशाल अल-उदैद एयरबेस 12 दिनों तक चले ईरान-इजराइल युद्ध के दौरान ईरानी हमले की चपेट में आ गया था। इस एयरबेस पर अमेरिकी सेना का पश्चिम एशिया स्थित सेंट्रल कमांड का अग्रिम मुख्यालय स्थित है। इस युद्ध में अमेरिकी बमवर्षक विमानों ने ईरानी परमाणु स्थलों पर हमला किया था।

100 प्रतिशत टैरिफ? इधर मोदी को दोस्त बता रहे, उधर ईयू के साथ मिल भारत के साथ खतरनाक खेल करने की तैयारी में ट्रंप

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। आपने हिंदी की कहावत मुंह में राम, बगल में छुरी तो जरूरी सुनी होगी। जिसका अर्थ है कोई व्यक्ति बाहर से बहुत अच्छा, पवित्र और मित्रवत दिखता है, पर उसका मन कपटपूर्ण और नुकसान पहुंचाने वाला होता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रवैया इन दिनों भारत के साथ कुछ ऐसा ही है। एक तरफ तो डोनाल्ड ट्रंप भारत को दोस्त बता रहे हैं। बहुत अच्छे दोस्त मोदी से बात करने की उत्सुकता दिखा रहे हैं। सोशल मीडिया पर ट्रेड डील को लेकर नए नए दावे कर रहे हैं। जिसके बाद लगने लगा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सुर अब बदल चुके हैं। भारत को लेकर उनका नजरिया रातों रात बदल गया। लेकिन खबरें कुछ ऐसी आई हैं जिसे जानकर आपको लग जाएगा कि ट्रंप की कथनी और करनी में बहुत अंतर है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कथित तौर पर यूरोपीय संघ से भारत और चीन से आयात पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का आग्रह किया है, ताकि रूस पर यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए दबाव डाला जा सके। मामले से परिचित

अधिकारियों के अनुसार, यह अनुरोध वाशिंगटन में अमेरिकी और यूरोपीय नीति निर्माताओं के बीच एक उच्च-स्तरीय बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बातचीत के दौरान किया गया। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह बैठक मॉस्को पर आर्थिक बोझ बढ़ाने पर केंद्रित थी और ट्रंप ने इस बात पर ज़ोर दिया कि एक एकीकृत ट्रांसअटलांटिक दृष्टिकोण ही आगे बढ़ने का एकमात्र प्रभावी रास्ता है।

सूत्रों ने संकेत दिया है कि वाशिंगटन यूरोपीय संघ द्वारा लगाए गए किसी भी शुल्क का सामना करने के लिए तैयार है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि वह इस योजना को तुरंत लागू करने के लिए तैयार है, बशर्ते यूरोपीय साझेदार भी समान प्रतिबद्धता दिखाएँ। एक अन्य अधिकारी ने आगे कहा कि इस तरह की रणनीति से दोनों एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ अमेरिकी व्यापार उपायों में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने सुझाव दिया कि ट्रम्प टैरिफ को रूसी तेल बिक्री को लक्षित करने के सबसे प्रत्यक्ष साधन के रूप में देखते हैं, खासकर चीन और भारत की मास्को से रियायती ऊर्जा खरीदने की इच्छा को कम करके।

दंडात्मक व्यापार कार्रवाई के दबाव को व्हाइट हाउस के अंदर बढ़ती हताशा का प्रतिबिंब बताया गया। अधिकारियों ने कथित तौर पर बताया कि प्रशासन को शांति समझौते के लिए मध्यस्थता के सीमित विकल्प दिखाई दे रहे हैं, खासकर जब रूस यूक्रेनी शहरों पर हवाई हमले जारी रखे हुए है।

नेपाल में जारी अराजकता से अब ऐसे निपटेगी सेना, प्रदर्शनकारियों को दी बड़ी चेतावनी

काठमांडू **(एजेंसी)**। देश में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली द्वारा अपने इस्तीफे की घोषणा के बाद नेपाल में राजनीतिक उथल-पुथल मच गई। स्थिति तब और बिगड़ गई जब सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने उनके आधिकारिक कार्यालय और निजी आवास पर धावा बोल दिया। यह घटना एक विवादास्पद सोशल मीडिया प्रतिबंध को लेकर हुई हिंसक झड़पों में 20 से ज़्यादा लोगों की जान लेने के एक दिन बाद हुई। कई कैबिनेट मंत्रियों द्वारा सरकार पर जनता की शिकायतों की अनदेखी करने का आरोप लगाने के बाद यह संकट और गहरा गया। ओली ने अपने इस्तीफे से कुछ घंटे पहले ही शांति की अपील की थी और प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने का आग्रह किया था। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पड़ोसी देश में चल रहे घटनाक्रम का आकलन करने के लिए सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

नेपाल के पीएम के इस्तीफे के बाद सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों ने एक संयुक्त अपील की है। उन्होंने लोगों से संयम बरतने और बातचीत के जरिए संकट का समाधान निकालने की अपील की है। उन्होंने कहा, 'चूंकि राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री का इस्तीफा पहले ही स्वीकार कर लिया गया है, इसलिए हम सभी से संयम बरतने और इस कठिन परिस्थिति में जान-माल को और नुकसान न होने देने की अपील करते हैं।

प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने दूसरे दिन जारी भारी विरोध प्रदर्शनों के बीच पद से इस्तीफा दे दिया है। प्रदर्शनकारियों ने कई सरकारी इमारतों पर धावा बोल दिया और संसद के साथ-साथ कई प्रमुख नेताओं के घरों में आग लगा दी। एक दिन पहले ही हिंसा में 19 लोगों की मौत हो गई थी। सोशल मीडिया पर सरकारी प्रतिबंध के खिलाफ जेन जी के बैनर तले छात्रों के नेतृत्व में शुरू हुआ आंदोलन एक बड़े अभियान में बदल गया।

नेपाल में पूर्व पीएम और उनकी पत्नी को जेन जेड ने खूब पीटा, सिर से टपक रहा था खून

काठमांडू **(एजेंसी)**। नेपाल में 'जेन जेड' विरोध प्रदर्शन, जो तेजी से अशांति में बदल गया, में हिंसक भीड़ ने पांच बार नेपाली प्रधानमंत्री रहे शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी पर हमला किया और पूर्व प्रधानमंत्री झाला नाथ खनल की पत्नी राज्यलक्ष्मी चित्रकार की हत्या कर दी। कई सोशल मीडिया साइटों को ब्लॉक किए जाने से नाराज युवाओं के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने राजधानी काठमांडू को अपने कब्जे में ले लिया, जिसके कारण पुलिस को भीड़ पर गोलियां चलानी पड़ीं, जिसमें 19 लोग मारे गए। विरोध प्रदर्शन और भड़क गया तथा भयावह हो गया,

जब प्रदर्शनकारियों ने सरकारी भवनों और राजनेताओं के घरों में आग लगा दी तथा प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के इस्तीफे के बावजूद कुछ नेताओं पर हमला किया।

प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री और उनके परिवारों को भी नहीं बख्शा। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में भीड़ को नेपाली कांग्रेस पार्टी के नेता शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी तथा विदेश मंत्री आरज़ू राणा देउबा की पिटाई करते हुए दिखाया गया है। दोनों खून से लथपथ दिखाई दे रहे थे, जबकि एक वीडियो में पार्टी नेता को सुरक्षित बाहर निकालते हुए दिखाया गया है। यह पार्टी देश की सबसे बड़ी पार्टी है और सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है।

भीड़ ने दल्लू में पूर्व प्रधानमंत्री झाला नाथ खनल के घर को भी आग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घर के अंदर फंसी उनकी पत्नी राज्यलक्ष्मी चित्रकार गंभीर रूप से झुलस गईं। बताया जाता है कि अस्पताल में उनकी मौत हो गई। केपी ओली के इस्तीफे से कुछ घंटे पहले, प्रदर्शनकारियों ने बालकोट में नेपाली नेता के निजी घर में आग लगा दी और राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल, संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक की संपत्तियों पर हमला किया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित। कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)